

ਸਾਨ-੩ ਏਸੀਸੀ

ਆਦਿ-ਦੁਰਾਜ-੪ ਮਸੀਹ
ਮਸੀ-੧੧ ਮਸੀਹਿ ਮਸੀਹਿ ਕੀ ਧਾਈ
ਮਸੀਹ-੧੧ ਮਸੀਹਿ ਮਸੀਹਿ ਕੀ ਧਾਈ

2618
BRITISH MUSEUM

अंनमः श्रीपद्मनाभाय ॥ २ ॥ अंनमः श्रीवत्सलमहाशयनाय ॥ हस्त
 मान्दस्वल्गुग्रहणविमलमिहस्तत्रकामस्तुष्टमः जामदिवक्रवातं च कि
 निपः निहवः नक्तकाकागननः मर्जसुत्रस्तुष्टमः हवनिस्तल्लिनः सा
 गननाम्नववशाहस्तार्किकतया न नलतुहगवन्तपद्मनाभाय ॥
 ॥ २ ॥ अविच ॥ यासासंसात्रचक्रवित्तवयनिमनः सन्निर्जाममहना
 साधियस्यप्रनादाः विसृतिनिजतुर्वस्वामिनामिष्टवग्धनग्धस्यत्मा
 वेद्यः सुमन्त्रयन्निस्तुष्टः कल्पनाजालमर्काः कृष्णान्त्याद्यनपद्ममिन्नि

[illegible]

म न प्रलिख क सम श्रियं ॥ **आव मन ॥ अं जिं खा हा ॥ ३ ॥ ला हा न सि य ॥ अं**
काय विष्म धनं खा हा ॥ ॥ प्र जा ह न स ल य न हा र्यं ज य ॥ ॥ अं सर्व विद्या न
क्रा द यं ॥ अं न मा ह ग व न द य कं उ न जा यः न थ ग ना या ह नं स म्म स्त व
क्ष य ॥ न द थ ॥ अं प्र थ र म हा य यः स य यः य य ह वः य य स ह वः य य
व किं क्ख खा हा ॥ ॥ खाः क यः क पाः न गः श्रियं क आ स म या य ॥ अं आ इ ॥
३ ॥ नि व व जा स नं ॥ खाः अं अः ख अः वा हा नि न ॥ अं सर्व वा पा न यं ॥ २ ॥ न क्क
खा नं क्क य ॥ अं म नि ध नि व जि निः म हा पु नि स नः म म न क्क र मां सर्व स खा ना र्क

[illegible]

सुगमं नमः ॥ इत्युक्तं यदर्थं न कदा ॥ अंस्तु नरवत् सर्वं ननु गता विस्मयानां वि
ष्टुं नु स्था ॥ ॥ मन्त्रं ननु स्था ॥ उच्यते ननु विमन्त्रं स्था ॥ ॥
मन्त्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥
वज्रं ननु स्था ॥ ॥ अं वज्रं ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥
अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥
अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥
अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥
अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥ अं वज्रं ननु स्था ॥

[illegible]

किलं व काया उ मं नु लु सु हा य क ॥ उं च तु न लं म रं म नू म लु दि पा प उ म हि
नं ना ना न लं स मा कि नु दे ख नू न दा य निः उ नू ल्वा वृ ब ध म ल्वा स द्य लं म न
थ व र मि थ्या न या मि लो व न स प नू न ल म नु ल ॥ म नु ल ना न ॥ ॥ जा मि
का या उ हा जी न यं वा न ॥ उं आ ४ इ थि म द ज स ल ॥ उ नू व न र न न क म ला यः
स म क ल्ना नाः व ल व स न क ना य न म ४ इ न म लु तु न भा न म ४ ह क्का रु लान म
ह्या मि थ्या उ नू ना थ पु सि ध म ॥ ॥ य स्य य सा द कि न न उ स लि नां ल न ल
न ल प्र ल प नि क न ४ य ह ना श्व का ना ४ प ह्य नि ना वि न दृ र्ण ४ स वि ना स म रं न

[illegible]

निकाद्वहृदयं जगतादिनायादसनां सर्वयापानां चानां चानां भादना
कृपया सर्वानि ध्यामिः शशिशुभं गच्छ पावकः मया वा न न न न नः यत्किं
त्यापमाचि नैः उक्तं यथा सावर्धं पुंस्तथा वं द्युमवचनं न दत्ययं दत्त
शामवः नाथनाम गतास्मि नैः कृता जनिद्विद्वत्स्वहि नैः पतिपत्ये पुनः पु
नः पुनः नयं मत्तयं न न पतिगुर्द्धं तु नायकाभ्या न हृदकमिदं नाथः न कुरु
व्यपनमया ॥ यथा न न थ गताया ह नैः सैव्यं कुरुद्वल्लाननः दुधवद्वर्षा
जानातिः पश्यति न कृगलमूलः यजानि कः यानि ह्यमः य न स्वहा वयया

[illegible]

त्रिंशत् ॥ अं ॥ अं ॥ रं ॥ कं ॥ लां ॥ मां ॥ पां ॥ वं ॥ कां ॥ त्र ॥ जा ॥ नः ॥ यं ॥ स्तु ॥ म् ॥ न ॥ पं ॥ र ॥ पु ॥ दि ॥ र्प ॥ प ॥ स्य ॥ न ॥ ॥ अं ॥
आ ॥ उ ॥ कं ॥ व ॥ ल्या ॥ धि ॥ ल्ब ॥ न ॥ ॥ अं ॥ ॐ ॥ इ ॥ दि ॥ लो ॥ क ॥ पा ॥ त्रे ॥ त्या ॥ पा ॥ द्या ॥ धं ॥ व ॥ म ॥ नं ॥ पु ॥ ति ॥ रु ॥ स्था
हा ॥ ॥ ल ॥ य ॥ न ॥ य ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ व ॥ द ॥ हा ॥ ॥ लो ॥ क ॥ पा ॥ त्रे ॥ म् ॥ डा ॥ के ॥ न ॥ ॥ व ॥ नि ॥ त ॥ स्त्री ॥ वा ॥ य ॥ ॥ अं ॥ ॐ ॥
इ ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ मा ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ न ॥ ना ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ क ॥ य ॥ ना ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥
य ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ म ॥ न्य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ वा ॥ य ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ ॐ ॥ ता ॥ ना ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥
ध ॥ म ॥ ल ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ द ॥ य ॥ थ ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ र्ग ॥ हा ॥ धि ॥ व ॥ न ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ व ॥
इ ॥ न ॥ क ॥ ता ॥ धि ॥ नि ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ ना ॥ हा ॥ य ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ म ॥ न ॥ त्वा ॥ स्था ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ क ॥ त्वा ॥ स्था

ह्रीं॥ अं॥ तु॥ व॥ दं॥ मा॥ दि॥ ग॥ लो॥ क॥ या॥ न॥ ह॥ र॥ ह॥ ॥ **ये॥ क॥ पु॥ हा॥ न॥ द॥ जा॥** ॥ **॥ ह॥ र॥ ह॥** ॥
अं॥ व॥ ज॥ वि॥ न॥ दं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ व॥ ह॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ म॥ दं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ म॥ ज॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ न॥
सु॥ दं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ मा॥ न॥ न॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ गी॥ न॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ नि॥ न॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ प॥ य॥ दं॥
॥ अं॥ व॥ ज॥ क॥ य॥ न॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ लो॥ कि॥ न॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ ग॥ म॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ द॥ स॥ न॥ ॥
अं॥ न॥ स॥ व॥ ज॥ ॥ अं॥ प॥ म॥ व॥ ज॥ ॥ अं॥ ध॥ म॥ म॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ ॥ **॥ व॥ म॥ वा॥ द॥ न॥**
॥ अं॥ दं॥ ह॥ र॥ ह॥ व॥ ज॥ ॥ अं॥ ह॥ र॥ ह॥ र॥ ह॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ स॥ त्व॥ स॥ ग॥ नः॥ व॥ ज॥ न॥ त्व॥ म॥ न॥ ॥
व॥ ज॥ ध॥ म॥ का॥ य॥ व॥ न॥ य॥ ज॥ क॥ म॥ क॥ ला॥ ह॥ वः॥ अं॥ न॥ कि॥ ज॥ उ॥ दं॥ ॥ ॥ अं॥ न॥ द॥ य॥ म॥

हविनालो कपालामहाकाः किल ^{द्वि} दसक्राधनः विष्टुहना नमस्तुते ॥
विन्दविद्या ॥ अविज्ञानबद्धविश्वः देवसुकनधनः लाहो पावित्र्यलक्ष्मि रयवा
ननूपैः गीतसिवनननैः मञ्जुधा र्वगमार्तः यज्ञा र्वेदभुनूपैः कलितै नव
पुस्तवति नहिमनाद विस्मान्मानननूपैः निदिनलवल्लयः यज्ञभुक्तिपुन
म् ॥ यनामलपयस्यवात्रिसहायेक ॥ अंशः आदिवजिसहवसंघेनिमर
गृह्णतुवत्रिविभि नः अग्निजमाः नैज्जलतपतिरः अयापति वायधना
द्विपतिग्धः ह्मानतनाधिपतिग्धः देवा उधरिन्द्राकापी नाम ह्मदवा ४८

मला ४ पुवि य च ना ग ४ ध ना ध ना म ड क ग ल ४ स म ना प्र नि प्र नि त्व क नि व द य नु
स क ल क म र्श वि दि स ल ल नाः ग ड क नु पु ला स ग न स म न स प उ दा नाः स ह ह ल स
धेः प्र थ व मि धू पः वि न य न कः ग ड क नु ल ज पु पि ड नु च द नुः ॐ नु क म
स ह ली क ग नु धा न न न ॥ ॥ ह न ल व क ॥ अ न म न त्व उ या य न म शा म्भ
नु व ज पान यः मा ल व ज ज्ञा म यः उ षा ल ह ह न वा यः अ ति म स ल य न स
पा स ग ड हि न ह ला य ॥ अ म न क ल ल लि ख र र वा दि र नि षु र व र र ह न र
द ह र व र र ग ज र वि र ह र र ह र वि वि वि वि ना य का नी म हा ग न प नि वि

[illegible]

न॥ मन्त्र॥ ॐ श्री गायत्री पत्रि मुञ्च नारायण नथ ग नाया ह न संम्यक् दद्याय॥ नद्य
थ॥ ॐ गायत्री रत्नमन्त्रः विनिरमुद्यत्तु पद्मं इह इह इह स्वाहा॥ ॥ नञ्द्राह
डाजया सोम्या कयिना यन मास्तु न॥ प्रसिद्धमस्तु नमिः माय नारायण संपद॥
॥ ॥ च न पाठय जा॥ धीयस्तु॥ ॐ सर्वव्यापि त्रिकिनिय इह इह स्वाहा॥ नक्तवत्
नक्षत्रा नक्षत्रा॥ इव॥ विज नय॥ स्वावाय॥ ॐ वज्र कर्ता नक्षत्रा इह इह स्वाहा॥
ॐ वज्र कर्ता नक्षत्रा इह इह स्वाहा॥ ॐ सुमय कर्ता नक्षत्रा इह इह स्वाहा॥
ॐ वज्र कर्ता नक्षत्रा इह इह स्वाहा॥ ॐ सुमय कर्ता नक्षत्रा इह इह स्वाहा॥
ॐ वज्र कर्ता नक्षत्रा इह इह स्वाहा॥ ॐ सुमय कर्ता नक्षत्रा इह इह स्वाहा॥

1105664444

ॐ वज्र ॥ ॐ श्रीमाघसिद्धि ॥ ॐ

हा॥ नाः॥ वाः॥ वज्रि न॥॥ अं॥ इं॥ अं॥ जिं॥ खं॥ इं॥॥ का॥ इ॥ थ॥ न॥॥ अं॥ सर्व॥ द॥ अ॥ ना॥ वि॥ लो॥ म॥ न॥ ब॥ लो॥
 स्वा॥ हा॥ म॥ सु॥ सा॥ घ॥ न॥॥ अं॥ ह॥ हा॥ डिं॥ अ॥ व॥ स्वा॥ हा॥॥ हा॥ दि॥॥ म॥ न॥ ल॥ लो॥ वा॥ य॥॥ अं॥ व॥ ना॥
 च॥ ना॥ य॥ व॥ ज॥ प॥ र्वा॥ य॥ नि॥ क॥ लो॥ हा॥॥ अं॥ अ॥ क॥ ला॥ य॥ व॥ ज॥॥ अं॥ ला॥ च॥ ना॥ य॥ व॥ ज॥॥ अं॥ या॥
 न॥ ना॥ य॥ व॥ ज॥ प॥॥ अं॥ ना॥ ना॥ य॥ व॥ ज॥॥ अ॥ द॥ दि॥ प॥ अ॥॥ सि॥ क॥ म॥ नि॥ न॥ य॥॥ यः॥ लाः॥
 यः॥ म॥ न॥॥॥ सि॥ क॥ न॥ न॥ य॥ वा॥ य॥॥ अ॥ द॥ ना॥ ना॥ न॥ च॥ क॥ ना॥ इ॥ नि॥ ल॥ धू॥ ना॥ वि॥ दू॥ क॥
 नाः॥ ल॥ स॥ ना॥ द॥ ग्वा॥ नि॥ जि॥ लो॥ क॥ म॥ हि॥ ना॥ पि॥ य॥ य॥ य॥ ना॥ पू॥ ना॥ द॥ ध॥ स्ना॥ न॥ न॥ ला॥ वि॥ ना॥ वि॥
 क॥ न॥ षा॥ स्वा॥ उ॥ स॥ दा॥ रु॥ नाः॥ ल॥ वा॥ ल॥ वा॥ वि॥ रा॥ न॥ ना॥ वि॥ न॥ हि॥ ना॥ वा॥ ना॥ हि॥ का॥ पा॥ तु॥ व॥॥

५॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निर्मना निर्दिनं लमलुल गता काद्यादिवर्त्तवृत्ताः प्राक्काल कलन कला मृत
 सर्वा गुञ्जा कलुता यमा विद्या ब्रह्म कदम्बकः दहनि यावत्कृत्या हृदि निःसृ
 न दाललि नाद्विगाः सृजतु वावाता काच न हि ॥ ॥ यन हि दमलुल राय ॥
 लवना ॥ जीनिर्मानवक्र हिनः वं को न नस्मिमा लाहिः न कनिस्तुलवन वलि
 निःस्तानदवा निमा कृषाः समय दव न लवेय न ॥ ॥ अर्थ पाठ तुल्य वक्रा
 वा ॥ ३ ॥ अं ॥ अं ॥ अं ॥ वज वाता हि प्रव न सृष्टा नाय पाद्या घाघी व मन पुनि कृष्टा ह
 ॥ अं ॥ अं ॥ अं ॥ वक्रा ॥ लवाय ॥ अं ॥ सर्व वृद्ध ता कि निय वज प्रथं अं ॥ हृद स्था हा

स

॥ अं वं जं वं नृ निय वं जं पृथं आ ३ इं रुं हूं स्था हा ॥ अं वं जं वं ला वं निय वं जं वृथं आ
इं रुं हूं स्था हा ॥ मय्या ॥ अं अं दियानं वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ वा ॥ अं पृ नं गि
निय वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ द ॥ अं का म नृ पिय वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था
हा ॥ वा ॥ अं या ह का य वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ वा ॥ अं धर्म का य वं जं पृथं आ इं
रुं हूं स्था हा ॥ अ ॥ अं म्हा ग का य वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ न ॥ अं नि म्मा न का य
वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ वा ॥ अं म्हा ल व का य वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥
॥ अं न न्ना व रु य वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ वा मा वं न वं उ पा ॥ ४ ॥

व

व

रावना ॥ अं ह्ये ला अ ल वा य सर्व धर्मा नां ल ह्ये ला अ ल वा ॥ अं शु न्य नी स्तान व
 ज ह्ये ला वा ल का क ॥ ॥ क वा अं ह ग न शी श्र म क दि द्या ना जन म लु नैः व
 शु मि श्र मि न ना थः म नु ल क न ना म कः मि थ्या ना म न क पा यः रू ष्मा क प ज
 ना य चः ग ल ह ग व न न ह्ये ल ग वः शु सा द क शु म ह्ये मिः शु म लो ह शु मा
 वृ षा ग ज व क रा ल दः ह ल ष्वा वा धि ह लो म्भ या वा न्या म नु द अ ना ला का वा ला
 म्भ ल ना र्श वा धि हा स ना उ म ह ना हि न ना ह ल्वा र क वि न व ज व कृ षाः भ्र म
 का क म ह्ये वा जि श्रा ह न क ह्येः म नु ल क नि थ्या मि ज ग ल वा ॥ व थ म का प रा

नतः भ्रमकपाभूपादायः ससिष्यस्य नमस्तुलः सर्वप्रतिष्ठापयामिः सानिध्यक
 तुमहं चः ॐ श्वाङ्कं बजधूपे स्वाहा ॥ निमन्तना ॥ ॐ भद्रं भद्रं भद्रं जन्मः स
 रुद्रजिवितं वमः समयस्य च दवानां तवितानां नृनसं स्यात् भवेवता तवितानां मि
 वाधिरितं कचं नतः नथमग नकुलात्यक्तिः समान्तरा नसंयः भद्रं भद्रं भद्रं वस्य
 धः यस्मात् ६ दनं नृनः तुनीपाता तव्यहं भः सर्वदुःखनिमन्तना ॥ ॥ रविका
 यकः ॥ ॐ जलं गलं सकनस्य हृदि लि नस्यः सर्वमकस्य वगवर्मे कलाधिप
 स्यः नलमं लहं प्रभुपतमाहि धर्मा ॥ ॐ वृंशजिं रवं ॥ ॐ कन ॥ ॐ प्रनिविम

समाधर्मा अक्रुशु की हना विनाः अग्रान्ना विनायातः हुतु कर्म सुम हवी ॥
 कामान्ना चित्रा ॥ अं वज्र मष वज्र सुवर्ण जल धाल ल्या हा ॥ ॥ च न काय ॥
 अं वज्र सिन्धु न तिल कल वन स्या हा ॥ ॥ अं का काय ॥ अं वज्र गम न प्रज
 मय सुम नु ह न नीः अक्षु प्रवि नाय अं वज्र वां च गदृ क व म् वा सु स्य हा ॥
 अपः खान काया ॥ खलि व ४ कू नी वृ ध खलि द वा ४ म् म क काः खलि सु वी ल नानि
 सर्व का नो द तं नु व ४ वृ ध प्र न्या न ला य नः द व ना नी म न नं चः या या च सु म ल प्र न
 ४ सु व र्था द सु म् च नाः खलि वा दि प द लो नुः खलि वा उ य उ व्या दः खलि वा वज

नामाग्यः सुस्त्रियः गान्धर्वः सुस्त्रिनागः सुस्त्रिदवाः सुस्त्रिमन्त्रादिर्नस्त्रिर्नः सर्व
उस्त्रिवाग्लुः माघर्षापायमाग्नः सुर्वसुस्त्रा सुर्वप्राना सुर्वतना चकवनाः
सुर्वदेवे सुस्त्रिनः सुर्वसुस्त्रिनिनामयाः सुर्वरुद्रानिपस्यन्तुः माघर्षिपाय
माग्नमन्त्रानिहृतनानिः सुमाग्नानिष्ठागानिः सुमावचमानत्रिः कुर्वन्तु
तिर्ननैप्रजास्तुदिवाचनार्त्तवचनकुधर्मः ॥ ॥ हा आवाया ॥ अं वजनैव
दस्ताहा ॥ समयकाया ॥ अं वजनैव दमस्तपनमैः तिलाकायहक्रियकाः ॥
गविष्टनिपस्यमानाः नगरवक्रवृत्तामनि अं वजनैव दस्ताहा ॥ ॥ धा नाश्च

या॥ अं नूमाह गव नः वि न वि न स न वा म हा का त्या मि सै नि ला यः ज ना म क
न क न ले न वा यः डं छा क ना ला ग्र हि ख न मू खा यः स ह स ह ज ला स न वा यः प न
मु पा ग दः ॐ ग ड न क पा ल ख ला ग म त्रि नः व्या घु र म्मा म्म न ध ना यः म हा धू मा
ध का ना यः व पु ष्प य दू र ह ह र खा हा ॥ ॥ म न वि य ॥ अं न ज हि ना मा व दू न त
का खा न ना मि पा प न वि न पा त प द्माः स्तु न प्र दि पा ह न मा हा का नाः कू न दि प मा
लाः न व य नि न तः अं व ज दि य डिं खा हा ॥ ॥ प्रः पः लाः घीः तुः ॥ अं न ला श्री
व ज वा ना हि ॥ ॥ हिं जि न स त्रिः म्म न्मा व न दा हि माः म्म वि सि डि व

सत्त्वायः महासत्त्वायः महाकाशनि कायः नन्दनदाक्रनासुसूर्ययना ॥ म
नुजयिनामनुनि ॥ अं नमम्या हेतुकाय ॥ ग्राहकं महाविनः वानहिवापिजागि
निः नम्यामि सर्वलक्षणः यामिनिगन्तुविनी ॥ १ ॥ वज्रजकिनि कादविः धम्भा
यानामिकाहिनीः गजवर्मन्तुलोमकाः खलुलोहान्तुपिनि ॥ २ ॥ वत्सायम
नलन्त्रानिः कनकादानिचतुमस्वीः त्रिभुवनकाकतुदायाः खदीमडुतूकानना ॥
॥ ३ ॥ हम्भनासा कठिकावदः ॥ ३ ॥ मन्त्रकनाननाः कनाठयमजद्विचः पाणव
यमइनिनी ॥ ४ ॥ यमदष्टिब्रमन्तुः पत्रहोयममथनि ॥ द्वादशनामहा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दयिः ग्वायुष्यं वरुणा ॥ १ ॥ नमस्तुत्या इत्युदावाकैः शागिनि त्या नमनमम
नमस्तु वक्रनाथायः नमस्तु त्या नदायः सर्वस्वसमायुक्तं भाकृतिर्द्विच दहिम
॥ ६ ॥ ॥ नित्याथा दग्धमन्त्रकमुनि ॥ नमामि वज्रवा नाहिः सर्वपापप्रभात
निः ~~विषयनिः~~ ~~विषयनिः~~ ~~विषयनिः~~ ॥ वेत्रावनि कृतात नाः मृकक
गिरि गोचरनिः सर्वस्थितिद्वयवर्णनाः वेदनां कृतस्य ग्वनि ॥ २ ॥ पंचमूला गील
सर्वाः स्तुत्यस्वत्वांग त्रिषिनां कन वज्रक नाठ स्ताः वन्द्यं वज्र विनाहि नि ॥ ३ ॥ म
डापं कथनादहाः मृदुमाला वि त्रिषिनां ॥ निलाहा ग्ध मूला लखाः वन्द्यं लोका

हृदयि॥ ५॥ हे नवाय मखाग्रं वः विजानककं वरिं कां विधुसुविश्रुधा नाकः वं
इमहयं करिं॥ १॥ नागविना गशामधः लवा लवः विवर्लिनी॥ सुमह नामह
दविः वं नाना नशागिनि॥ ६॥ पंक्षुम नसुदायानः पंक्षुसुत्रिहोजनं॥ गी
नवाद्य ननानिहं वं नाना सुनवन्दिनी॥ ७॥ सदवसादिसा नक्रनिहं तुष्टास
वात्रया॥ ननवत्रनन पत्राः वं नाना पत्रा यना॥ ८॥ सादवि सिद्धि दानाकः या
मवा नसदामनी॥ वृक्षनिर्वातः दाती लां वं नु वधसमाननं॥ ९॥ इति वज्रवी
नामिती ७ समाप्तं॥ ॥ सुनाक्रनविष्टजनं॥ ॥ ७॥ समाधि॥ ॥

॥ॐ॥ उं नमो ग्राव क्रु सं नमो ग्राव ॥ ॥ अं श्रीं श्रीं मद्रजस्रव मु नू व न व न न क
मलायः हयमहा ना वलाह न क ग्राव न मद्र ॥ वं व ह वा धि स म मं सं का न नियदि मय
ः स्रु नू यत्य सा द न म मा र्य स्रु न स्रु व ॥ श्री म न व ज दा कायः ॥ कि नि व क्र व हि
न ॥ पं स्रु न सि का या य ॥ म य ज नो न म मा या व नो व ज ॥ कि न्यः ॥ न स्रु न व
न ॥ लो काः कृ त्य प वि त्य न्य स्रा व नि त्या न मद्र स्रु दा ॥ अ स्रु लो अ स्रु दा स्रु व ध र्मा
ना स्रु लो अ स्रु दा ॥ अ नित्या का न न गृ न्य ता म्हा व य न ॥ श्री का न मद्र य स्रु नं ह
का ल हं तु व र्जि नैः नू का न नू प ना म्भ यः कि का न न क वि सि न्नि नं ॥ स्रु व स्रु व न न ह

ना ४३३ ॥ वल्कलित जसम्बतः मात्मानं लवयत ॥ ॥ नदनूक जम्भवन ॥ द
किन हरे श्री का नन लं र्य मन्तु लं ॥ वाम हरे श्री का नन चन्द्र मन्तु लं ॥ हस्ता
उनिषा ॥ अ हुन महिषा हा ॥ ई वा वट हे ई ई हिः हट हट ई ॥ अं व हा याः जी मा
हृदिः ई ई हट हट ॥ धन्य वादन ॥ अ ई हा हा ॥ वज ॥ अ हा हा हा ॥ धन्य ॥ वज
सुख संग न वे ज ने ल मन न मः वज धर्म मायी न वज कर्म क लाह व ॥ अन
क्रि ज ई ॥ न ना ग वा धिष्ठा न ॥ अं ग्रा वज ह न न क ई ई हट ॥ कि नि जाल सम
न हा हा ॥ अं खं नु ना ह ई हट ॥ अं खं नु लो ह स व वि धा नू ले न य ई र हट ॥ स स

अन पव्या धिखान ॥ अं व ज मं स्तुला हा ॥ मं च ॥ अ व ज पव्या हा ॥ पव्या ॥ अं व ज ध
पव्या हा ॥ ध प ॥ व ज दि पव्या हा ॥ दि प ॥ व ज न व घव्या हा ॥ न व घ ॥ अं व ज ना जा
पव्या हा ॥ अं भ का ग म व ह व ध मी न म ग घ नू न ने ला नू ॥ अं भ क ई ह ठव्या हा ॥ व ल्या धि
ला न ॥ अं ह पु नि लि न व ज ला हा ॥ अं भ क ई ॥ म नु ला धि ला न ॥ म नु ला धि ला न ॥ ८ ॥
ज ह ४ हा ४ झी ४ ४ र वं ला हा ॥ ई ॥ प न पी ला ४ न्य ना म्हा व रं न ॥ झी का न न प म
ल ज न मी का न न मा म किः क प्र दि त जा व ज व ज ह ला ॥ ई का न न मी का ल क प्र
दि त जा व ज व ज ह ला ॥ न न ४ हं प न जी ग्य न म हा नो रान ड वि त नं प स्य न ॥

प न ४ ह ४ हा ४ डिं ४ अरवं स्था हा ॥ अं सर्व लक्ष्मी कामिनिः सर्व लक्ष्मी धनिः ॥ ॐ
वज्र नि क्रोध स्त्रीतिः सर्व दिव्य व्यापिनि आ धर रत्न ॥ अं हृन् न न ह न न व न्म
हा ४ का न न ग न्ध ना ह न ॥ श्री ४ न न वि र्य ह ना न्म अ का न न म न न र्घ य ह न ॥
अं अ म न अ म न प्र व ह य रत्न ॥ ॥ अं अ ४ रत्न ३ ॥ का य वा क रि वि श्व न ॥
अं व ज ल म रत्न ॥ ॥ प ॥ अ ल ति ॥ अं ॥ सि र्वा य ॥ अं ॥ द क्रि क र्त्त ॥ अं ॥
मा ल ए र्त्त ॥ अं ॥ वा म क र्त्त ॥ अं ॥ ना ति का म रत्न ॥ ५ ॥ व र्त्त द य ॥ अं ॥ रु ध्म
त्वा ॥ अं ॥ कः क ॥ अं ॥ क वा ग ॥ अं ॥ ना ति ॥ अं ॥ ना ति का ॥ अं ॥ न ह न ॥ ल ह

ना॥ क॥ क॥ हृदय॥ श्री॥ नाहि॥ उ॥ निग॥ मु॥ सु॥ उ॥ सा॥ सु॥ सु॥ सु॥ ज॥ वा॥
न॥ पा॥ द॥ गु॥ लि॥ सि॥ व॥ न॥ न॥ द॥ य॥ म॥ ह॥ स्म॥ गु॥ त्रि॥ क॥ जा॥ न॥ त्यां॥ ॥ अ॥ यि॥ था॥ य॥
पि॥ था॥ क्र॥ उ॥ प॥ क्र॥ उ॥ क्र॥ उ॥ प॥ क्र॥ उ॥ म॥ ला॥ य॥ का॥ म॥ ला॥ म॥ म॥ न॥ प॥ म॥ म॥ न॥ ॥
अ॥ ह॥ ह॥ द॥ य॥ न॥ म॥ हि॥ सि॥ ल॥ सि॥ ल॥ सि॥ ला॥ हा॥ क॥ मि॥ था॥ यी॥ वा॥ ष॥ ठ॥ रु॥ वा॥ क॥ र्था॥ क॥ क॥ हा॥ व॥
क॥ द॥ या॥ ह॥ ठ॥ ह॥ ठ॥ सु॥ व॥ र्था॥ य॥ ॥ ॥ अ॥ वे॥ ना॥ हि॥ हा॥ र्था॥ ह॥ द॥ य॥ श्री॥ मा॥ व॥ क॥ क॥ कि॥ मि॥
ल॥ सि॥ क॥ क॥ सि॥ था॥ यी॥ ह॥ ठ॥ ह॥ ठ॥ सु॥ व॥ र्था॥ य॥ ॥ क॥ ति॥ अ॥ ग॥ न्या॥ म॥ अ॥ क॥ न॥ म॥ न॥ क॥ क॥ ॥ अ॥ र्था॥
ग॥ म॥ न॥ क॥ क॥ ॥ अ॥ श॥ आ॥ न॥ न॥ क॥ क॥ ॥ आ॥ आ॥ न॥ क॥ ॥ ॥ न॥ न॥ ह॥ ह॥ द॥ य॥ अ॥ का॥ न॥ न॥ व॥

तिर

उभं नु लापति कृष्णं का नेन आशका न न कः उं का लं गुड कं हं हं र का नां नी ॥
अशं कालि प कि उरः गुड न क कृष्ण वरु म वा र्य न द क न प त्रि ल न च कृ प म व ज
वा कि गु धि क क र्य न ॥ नू प ल सु वे ला व न वे द ल स व ज गु र्य ॥ स ह्य न स प म
न र्हे ल नः स ह्य ल स व ज ना ज श वि ह्य न ल स व ज स ल श स र्व न थ ग न उः
आ ह नू का व ज श व कृ षा म ह व ज श ल म न थ ह्य व व जः श ह्य न थ लि य्या क व ज श व
क थ ना ग व ज श ह्य र्मा ल र्य व ज श स र्व न थ न थ श र्य व ज श प थि वि श गु प
न निः श प थ गु मा न नि ॥ न जा थ गु ना क र्थ नि ॥ वा यू ध गु प म नृ नृ श्व त्रि ॥ आ

ॐ

का सधनुः ४ पमका न नि ॥ ॥ पून ना आलि का लि प कि म थः नं का न न न न प लि
न न स र्थ मं ल न म थ डं का ल प लि ना म न ल ग व र्कः क ष्ठ व र्क व ल ज प थ तु त्या
व ज व ज र्थ थ ध नः दि नि या त्या र्व मं न र्कु नि या मः न नि या त्या त म नू व ला गः व
तु मू र्थ क ष्ठ म म न क पि र्ण ॥ ॥ का का म्म क ष्ठ उ नू का म्म म्म माः म्म ना म्म
न काः म्म क ना म्म पी न य म दा हि क ष्ठ पी ना य म इ नि पी न न का य म ड ष्ठि न क म्म
माः य म म थ नि म्म म क ष्ठा ॥ ॥ न ना अं ल म्म ल म्म क ष्ठं क ष्ठं ह ॥ अं ग क ष्ठं र क ष्ठं ह
ह ॥ अं ग क ष्ठा य य र क ष्ठं ह ॥ अं आ न य हा ल ग व न वि द्या ना ज क ष्ठं ह ॥ ॥ न ना

आकारा लंका ननय त्रिग नं सूर्य मं नु लं न लभ्य कं का न न विष्णु वज्रः कं का ना
विह्वलं ॥ नडस्मि नाय वह न प्रमानं वज्र कनि का नृप नृधम गने ३ वज्र मयितु मि
विलाया ॥ अंभद निवजि हव वध कं हं ॥ अं वज्र प्रा का न कं हं व कं ॥ अं वज्र पं ज न कं
पं कं ॥ अं वज्र वि ना न कं स्व कं ॥ अं वज्र सु ने जाल तां हं तां ॥ अं वज्र का ना न ना का कं ॥
कं जाल ज ३ अं वज्र दि ग प्रा का न वदि ३ कं प नि व सि ता ॥ अं वज्र दि वि घ्ना न ह द य कि
न य न ॥ अं वज्र घा ट य धा न य सर्व द्र ष्ठा न कं हं ॥ अं कि न य र सर्व धा पा न कं हं
अं वज्र कि न य वज्र ध न आ क्ता प रं नि सर्व वि घ्ने वि ना य का ना का य वा कि चि न व

आकिल यद्गुरु ॥ अंबजमूर्तिलवकिलाकातरयद्गुरु ॥ इति निविष्टम्लावय न
॥ न न स हृदयसुद्धकात्रनसिंहि जगदसुद्धकात्रकनिष्ठवर्नंगत्वा
न न सुभ्रनादिस्तुतिदि उयादसात्मकं हगवन्कहगवति सुपलिवार्तहग
वति समापन्नपश्य न ॥ न नो हृदि जननसिमा लाहिला कृषा कृषानचक्रमा
कागदस्य दृष्ट्या अहिमूखमहिर्हृत्पद्मसमन्तसमयमन्तुल्युद्यस्तसमन
सिद्धनेमनामयिहियजादविहिम्बपूजय न ॥ ॥ अहं ३ श्रीवज्रहृत्क
यवस्तुत्यानाययाद्याघाशवमनंशाकनं पुनिकुल्लेहा ॥ पाद्यादिलं वनय ॥ अहं

वहा ॥ पर्याप्त ॥ अं प्रावजह नू नू कङ्कं कङ्कं हट्ता कि नि जाल स म न सा हा ॥
अं जी ह ह कङ्कं हट्ता ॥ अं इ स र्व व द्वा ता कि नि य व ज व न्नी य व ज व न्नी य नि य कङ्कं
हट्ता ॥ म यो ॥ अं ता कि नि कङ्कं हट्ता ॥ प ॥ अं ला म य कङ्कं हट्ता ॥ उ ॥ अं व न्नी
ग ह कङ्कं हट्ता ॥ य ॥ अं नू य नि य कङ्कं हट्ता ॥ द ॥ अं वा धि वि रु म न ल न्नी कङ्कं हट्ता ॥ वि दि क
॥ ॥ अं वा धि वि रु म न ल न्नी कङ्कं हट्ता ॥ प ॥ अं क नू र च न्नी कङ्कं हट्ता ॥
ह ॥ उ ॥ अं व न्नी र च न्नी कङ्कं हट्ता ॥ य ॥ अं ता स य र म हा ना स य कङ्कं हट्ता ॥ अं क्री
ह य र वि न म नि य कङ्कं हट्ता ॥ प ॥ अं क्री र ख व नि य कङ्कं हट्ता ॥ न ॥ अं क्री र ल क स

लानय कंकंरुदु ॥ वा ॥ अं हं र इ म का यं कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ विरु चक्र ॥ ॥ अं हं र
त्र ना व नि य कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ ठं दं हं र म हा हं न वि य कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं च र वा
य य रा कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं हं कं र व स नू चि ना न मा ला व ल वि नं कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं ग
ज र हं फ पा ना न ग न ल ज न हं य वा ग कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं मा द वि य र कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं
जं अ क घ र हं ल हं कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं जी र हं य कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ वा ॥ अं हं र ख ग म न
ल कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ वा कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं आं र व क वं ला कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं हां र र व
नु नी हं कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं जी र हं नि नी य कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं कं र व क व मि नि य कंकं

कंहु॥ द॥ अंकीतिरसुविनं कंहु॥ अ॥ अंजितिरमहा नं कंहु॥ ने॥ अंधी
तिरचक्रवर्त्तु बह्मिथं कंहु॥ वा॥ अंहितिरमहा विर्यं कंहु॥ ने॥ वाकव
कथा॥ ॥ अंका काण कंहु॥ क॥ अंउरू का ग्म कंहु॥ उ॥ अं ग्म नाय कंहु
हु॥ प॥ अं ग्म कला ग्म कंहु॥ दा॥ वहु दान॥ ॥ विदिता॥ अं यमता निय कंहु
हु॥ अ॥ अं यम इ निय कंहु॥ ने॥ अं यम दष्टिथं कंहु॥ वा॥ अं यम मथ
निय कंहु॥ न॥ ग्म ग्म ना न॥ अं वं प्राग्र हा नाय स्वाहा॥ प॥ अं गं द नाय
स्वाहा॥ उ॥ अं का ना क नाय स्वाहा॥ व॥ अं कन कंहे न वाय स्वाहा॥ द॥ अं अंहुहु

हासायसाहा॥ **५॥** अं न श्री व न इ नं नायसाहा॥ **६॥** अं धा ना ध का नायसाहा॥
७॥ अं कि रि कि लाल वायसाहा॥ **८॥** ॥ **पंथायसाहा** ॥ **षादसलाहा** ॥
अं वज विलङ्गा॥ अं वज वं स नी॥ अं वज मृ दलङ्गा॥ अं वज मृ त्रुङ्गा॥ अं वज न
लाङ्गा॥ अं वज माल नी॥ अं वज गान्धङ्गा॥ अं वज नृ नृ अ॥ अं वज यू यङ्गा॥ अ व
ज यू य नी॥ अं व जाला कि नङ्गा॥ अं गं ध वज अ॥ अं व जा द भ निङ्गा॥ अं न स व
ज जा॥ अं प म व जङ्गा॥ अं ध म धा तु ग हेङ्गा॥ ॥ **घं न्ठा वा द न** ॥ अं इं ला हा
वज ॥ अं हा सा हा॥ **घं न्ठा** ॥ अं वज स ल स ग म इ वः वज न ल स न न नः वज ध म य

हायनः वज्रकर्मकलाहवी ॥ अं ॐ किं ज ३ इ ३ ॥ ॥ मुनि ॥ अं सर्वसुखानसंदा
हः जगदयप्रसादकः विनामूनिनिवाहनः श्रीसंभननमालुने ॥ वाफेविश्वम
हासुनः सर्वमनिसदाहिनः कृपाकादमहातोड्यासंभननमालुने ॥ ॥
मनननन ॥ अं नमालुगवद्विनवीनमथनायककंदु ॥ अं महाकल्याणिनि
लायककंदु ॥ अं जनामकनाक ६ हे नवायककंदु ॥ अं कनागग्रहिषन
मूखायककंदु ॥ अं ग्रहसुलजलासनायककंदु ॥ अं पत्रगुणमद्यत्रिगुल
कमालखदागधतिनकंदु ॥ अं वाचवर्मास्यनधकातायककंदु ॥ अं महाध

[illegible]

निहगवनि संवात्रिनिःसर्वदाः संजुष्टिन्य न थपत्रा सुविमत्राया लखत्रिचडि
काचत्वात्रा पुजेकश्चाननमस्तु निलासि नागर्था म्थामा धूर्ध्रसध्वना म्थसुनन
वंदु वीठ नाडव हूक ४। उत्यादह अनदि नी वंनु दह धात्रिः न क पु ली विजय
निःवतिष्ठ तु नू पि ॥ वज्रगना गुनगर्ल ४ सुमर्ल क नाग्राम लव्व यामि म न
नंज निनानी ॥ ॥ नर्थन ॥ अनं मा हग वनि वज्र वात्रा हिय दू दू हू ॥ अं
न मा हग वनि आर्य अ पत्रा जि नं जे नो क्क मा न नं कं कं हू ॥ अं न मा हग व
नि सर्व त न लया व ह म ह वज्र कं कं हू ॥ अं न मा वजा सु नं अ जि नं अ पत्रा जि

नवम्य कृत्ति न जं जमनि कं कं हृद ॥ अं न मा ग्रा व नि सा व नि डा ह नि क ला त्रि नि
कं कं हृद ॥ अं न मा सृ ज स नि मा न नि स ह द नि प त्रा ज य कं कं हृद ॥ अं न मा ज त्रि ज
यः ज म् न नि स म् न नी मा ह नि च कं कं हृद ॥ अं न मा व जि नि व ज वा ना हि व ज जा मि
नि का म स त्रि ख ले कं कं हृद ॥ अरु प द मं कृ ति ॥ स ना क ॥ ॥ या प द स ना ॥ क
न का त्रि न म नू मा दि नः म द्ये म वि लः नि हि न दा षा नाः पु मि द स या मि पू न न ध
पू न न क ल सृ स मा न वि द धः अ व क ४ ख गै जि ना र्क म ३ जि न स न स त्र ना निः कृ ग
त्रा निः अ नू मा दि ना निः वा र्ध स म् य क प त्रि ना म या ष जि न न त्ता नि जि उ यं ग न

नः गतास्मिः सर्वं हा वगवाल्क्ष्वि न विदधे इन्न न न माग न थ स व ॥ ॐ न्या दि या
 ग ॥ ॥ न द न म न क न न म दि नो य क्रः व पु पु म वि हा न म्हा व र न ॥ उ म्हा
 हा व मु द्वा सर्व धर्मा ॥ हा व मु द्वा क्रः पु न्य ता स्या न व ज स हा वा म क्का द्वा ॥ वि ह
 मा कु न्तु वे नि ष्टु द्वा धि स म्हा न य न न्म नः न नो पु नि ष्ठ नः व स नः पु न्य ता वि द्
 द्वा ॥ ॥ अ य का न न वा य म न्तु लः व न्वा ह नि ल द्वा जा कि न ॥ न द्वा प निः न का
 न ना यि म न्तु म लः वि का न न क्का ना कि न ॥ न द्वा प नि व का न न व न्तु न म न्तु ल
 व तु ल ॥ न द्वा कि न ॥ न द्वा प नि ल का न न पृ थ म न्तु लः व पु न्तु यी न व न्तु

[illegible]

क्रिनायन॥ पुनिमूषनकवर्तुनप्रिनर्तः विरुतानननेडछादुहलीषनीः विश्व
वजादिनमोत्रिनः जनामकूटिनैः वामवत्रिभाद्वचदुमोत्रिनैः दक्किनमृकुम
लुवजमाताग्रन्ठिनैकपात्रयचकधत्रिनं॥ द्वादहजंभालिंगनहजदयनैः
तमनूखत्तीगवजरघन्याधनै॥ द्वात्रिंशत्तजदयनैः गजचर्मवत्रधनै॥ त्रिंशत्
तजदयनैः तमनूखत्तीग॥ चतुर्दशजदयनैः पत्रसूत्रकपूर्कपात्रधनै॥ प
ञ्चमहजदयनं वज्रकयाअधनै॥ सप्तमपञ्चसुनत्रमात्राधत्रिन॥ द्वाष्टुचमुनि
वसुनैः आगत्रविनविहृहास्यनाडहयानक॥ कनूनाहृनमर्नैः ४ नज

नाथसुनान्विनै॥ कन्धि कं नु न कयु न मि ला म मि य स्था पु वि नैः ह स्त व
निष म्प डा मूदि नै॥ न वि म्प नु ल वाम द क्रि न ल ला पु मि लि नै॥ ह न व का नि
प्राप्तिः वाम क र्त्तु न य ग त थाः भालि भ्म सु न स लि नैः ल व य न॥ ॥ ह ग व नि
व ज वा ना हिः न क व र्त्तु म्प क क साः लि न ना त्र क व कुा दि ग म्प नाः ख नु म्प दि नैः
क नि भ य मा हि त्र जाः वाम त्र ज न न क व र्त्तु क पा त्र ध ना॥ द क्रि न ल ज न इ ष न
कु निः व ज क नि का॥ ऊ घा द य न ह ग व नै स मा ग उ षा नू म ग य नि त्र व त्र ना ह ग
व नि ल व य न॥ ॥ न ना य र्वा दि दि द ल वृ ता कि नि ला मा र्व नु ला हा नू पि

नि॥ कृष्णस्य मातृक र्म र्थाः ३ क व क्रा च उ ल ज ल जाः क या न ख त्वा ग वा म क मा ४
उ म नू क नि द क्रि न क माः ड षा क लाल व न द ना ४ प क्क म डा वि ल वि ना ४ आ ति
हा स न ह्नी नी ॥ वि दि ग्द ले ष वा धि वि रु म्ब ल ल क पा ला नि ॥ न द हि प्र य म
वि ल व क्क अ षी ले नि ले नी ल व जा ॥ व लि ल वि र्ग ॥ ॥ न स्य प र्ष द नः ॥ प र्शिल
म म न यः स न्द्र क पा नी न पु व डा ॥ उ न न जा र्ध न म हा के का न पु ल म नि रं न्द्रा क्रिः
॥ प क्रि म उ दि या न के के का ल पु ल म नि ॥ द क्रि न अ षू द वि क ठ ड षि न मा हा ना

ॐ॥ आत्ययी गजवज्रसुता वेति नवी त्रसति॥ नेज्ज्वा तामसुति अमिना ह्ये
वति॥ वायुर्वा दवका निवज्जुहं लंकसुति॥ नृसा न्यो मा तव वज्र दहं द्रु मक्का
या॥ नृनि द्विवक्त्र॥ ॥ द्विनिय वाक्कुक्त्र॥ अस्मान्न तर्कः पद्मा वति सा मा वि नृ
॥ नृस्य पर्वद्वा त काम नृयि अकलि कं त्र ना वति॥ उह नृ उह वज्र ज नि वः महा ह
न वि॥ पद्मि म उह सु क नो म हा हे न व वायु य म॥ दक्कि न को गी त सा व ज द्र क न
सु ना ह क्रि॥ आत्ययी कलिग सु ह दं ग्ग मा द वि॥ ने न न्यां न पा क व ज्जु हं सु ह द
॥ वायु य म प न म हा हे न व की प ह य क नृ॥ नृसा ना हि माल य वि नृ पाः क्र मा

ममना ॥ नितिकायचक्रं ॥ ॥ नितिकायचक्रं ॥ अष्टानगुं गुं वक्रवति
आनंदनं ॥ नस्य पूर्वा न पुन पूजा महावतं वक्रव गम ॥ इतु न गुं हृदव नावत
वक्रव न लाहा ॥ पक्ति मरुता व हर्षा यवर्धन लि ॥ दक्ति न सुवर्ध द्विकप आ
कास्य गृह वक्रवर्धनि ॥ आत्य शान गले ग्राहक सुविता ॥ ने अ त्याहि क्षाप मन
ने स्वतं महावत ॥ वाय व्या म ना वे लो व न वक्रव नि नि ॥ इहा नां क न ना र्था व न
हृदमहावि जी ॥ नितिकायचक्रं ॥ ॥ स्वर्ध क पा ना दि शा वि ता न क्रव क्रा
व उ ह जा इति न ज्ञा न म क्ता म्भुठि नाः आति ग न ह ज द य न सु व क्र व ज धी न्ध

वासवत्या ग द क्रि न उ म नू क पं च म अदि ग म ज्ञान् आति हा स न स ह्नि न ॥ पुं च
डा द व्या त्र क व कुा दि ह जा ४ आति ग न क पा न ह स्ताः द क्रि न व ज क र्हि का ३ त्रि
न जा त्रो द नू पि नि ४ मू क न क म्म अ द्या ग स मा प न्ना दि ग म्ब त्रा ३ पं च म्म डा वि
ह पि नाः ॥ पूर्व दि हा नः ॥ का का म्म क कः उ नू का म्म न का म्म माः म्म ना म्म न
ः म्म का म्म पी ना ॥ अ ल्य या दि का न व ॥ य म दा दि कू क पि नाः य म इ नि पी न न का
य म ड वी न का म्म मा य म म य नि म्म म क षा ॥ त्र ना या गि न्वाः उ क व कुा र पु र
का ४ ॥ वा म का पा न ख त्या र्ज द क्रि न उ म नू क र्हि काः ३ पु र्या ति रु प दा ज्ञ ना ४ स

र्भसुनानिबसुनाऽवकुम्भजावितृषिन्नाऽकपात्रवजावलिबितृषिनाऽत्रिन
 वासुककुम्भसाऽत्रोडुम्भसाविलाय॥ नकाकायवाकविरुदनप्रतुःकनीविश्वधि
 न॥ सर्ममध्यापानात्रःत्रकम्भकिरुवक्रेनातु॥ अंभ्राऽद्रंस्ववित्रजागशामि
 कायवाकचितवजस्रहावामकाद्रं॥ ॥ वर्ववनअगन्याग॥ अंहनमरुह
 हाद्रंवाषकुरुद्रंहाहृरुद्रं॥ वा॥ अं वल्लशांद्रांमांद्रांद्रांद्रांद्रांद्रां॥ ॥
 अंशागम्यासर्वधर्माऽयोम्रुवाद्रंभाननतुमानिनरुन्ननरुद्राकागदलपदृष्य
 ॥ अंद्रंवंहां॥ अलातनमै॥ नवयननाकृष्यनिधया॥ अंवजस्रकाऽसर्वधर्मा

वज्रसूक्तं ॥ ॥ नमो अहिष्कृत् ॥ अहिष्कृत् कुरु मां सर्ववीर्यागिन्यः
अष्टाहूतकवजसालवामकाहं ॥ यथाहि जा नमामा नैन सुनायि च सर्वनथ
मन ४ नथ अहं सुक्तं ययिष्यामि शुद्धे दिव्यनवात्रिंश ४ अष्टाहूतं सर्वनथ मन
अहिष्कृत् सुमनस्य ॥ ॥ मरु नन पर्या ॥ अहिष्कृत् मरुतवज्रं उष्ट्रं तु
नमस्तु नयुष्माकं पजानां अयमरु नपव कृताहवं ॥ अवज्रं अने स्वत्रि अ
हिष्कृत् ॥ अं वज्रवज्रिनि अहिष्कृत् ॥ अ नत्त वज्रि अहिष्कृत् ॥ अं
धर्म वज्रि अहिष्कृत् ॥ अं कर्म वज्रिनि अहिष्कृत् ॥ वज्रमरुताहिष्कृत्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथादिहिरिकत्वमसिबुद्धं ४ वजाहिषकठ ४ इन्द्रनस
बुद्धत्वं गृह्यवजस्रसिधयः ॥ वजकाया ॥ अंबजाधियनिह्नामहिरिकमि
निवृजस्रस्रहा ॥ वजस्रं अम् ॥ अम् ॥ काया ॥ अंबजस्रत्वमहिरिका
ः वजनामाहिरिककठ ॥ अं श्रीवजस्रं कनामनथागमत्तवसा ॥ नामा
हिरिक ॥ ॥ पूर्ववदन् अकषनपाद्यादियस्य न्यासः ॥ वचपह्नवपूजाः लास्या
घन्मवादनः मृनि ॥ श्रीचक्रसंमनसस्रवजस्रकविनस्रिप्रवतवीनग
नाधिराज ॥ कालाननलंति नवाकृष्टमप्रमृदुकाकृन्निहर्तनमामिनद्या

प्रियमा॥ नर्यन॥ नृनिर्मन्त्रादिशागद्विनिय॥ ॥ ननोश्रितिकालियकिर्य
कृत्स्निकालस्त्रननदवताविन्दानूवातशत॥ दक्षिणवायुनिष्पृष्टजगद्विच
क्रियन्मृनादिसंहिदि ४॥ ॥ अथक्रसंस्तवीतवितनिसमस्तितना
वामनासापुननप्रवसनालोपनिविस्ववतस्त्रकातावत्तमन्त्रलीतनाषिचिस्त्र
॥ ननमृठिनिष्पृष्टक्रद्वन्त्रकृत्स्नविजयतिसुतहगवर्नसहजसंस्तवीमृद्व
न्त्रश्रितिसनस्त्रआकासचिद्रमदृग्निदि॥ तजमकमृखंवज्रवज्रघन्त्रधन
उल्लख्यवज्रकपावधानिनिदिहजैकमृषीतकवजवा। गहिस्त्रमायुत्रविलक्षणा

नयामाया सूननक्षत्रनिस्तमा रुष्यजेधु कवक्रक्रमनलवयन॥ ॥ जगत्त्रि
मममनषुमममनिस्तमयक्रसमयक्रकाकादिक्काकाग्यादयम्॥ जकिनिदिक्का
जकिन्यादयः॥ कायवक्रकायवक्र॥ वाक्क्रवाक्क्र॥ चिरुवक्रचिरुवक्र॥ मूलास्र
षवक्रमहास्रवक्र॥ संह्रगवक्रसंह्रगवक्र॥ लगवमस्रलगवंलगवलेदि
तज नप्रतिष्ठा लावनिया॥ नेनचस्तमयसूननमहाग्यादयवचनद्ववयति
मनसिधूनातकमकाहूननसुदृगंकातमहास्रस्रमयलवयन॥ ॥ नन
उकातउकातःरुकातःरुकातःसितगिहिगो भर्द्धवन्दुभर्द्धवन्दुःविज्ञाविज्ञा

४
द्विनिनं चः नादं वा लाग्रमनसं हं मुं लग्नूपविन्नयन् ॥ पूर्वविदा कर्षनः पा
ः पूः पः लीः घंः म्रु न ॥ इति गुरु वृथा गम ॥ ॥ मीनु या य ॥ आः पाः पः पंः लीः घंः म्रु न ॥
इति जापयोग ॥ ॥ न नो वति लावना ॥ यं का न न वायु मीनु लीः न इ प त्रि नं का न
नाग्नि मीनु ली ॥ न तु गुरु क्र आ ३ का न उ ४ मा न प न ला ज न मीनु त्रि न वा रू लि का
यी वा व ह्मि न ॥ न न ल क्का दि प त्रि प त्रि नः ॥ अं जं आं खं दं लीं मां पां नां जं का न न द
धिष्ठ पं वा म्रु न पं श्रु पु दि प त्रु प न नि ष्या द्या ॥ वायु पु त्रि न क त्रि नाग्नि नाप वि
त्रि न वि जा क्रैः नादि कं अहि न व ल न व र्ण ड व त्रु पं दि ष्टा ॥ न इ प त्रि वि न ह्मि न

त्रिने कृत्वा श्रितिकात्रियत्रिभुव त्वमांश ४३३ का नत्व १ अन्तक म न उ पत्रिस्त्रि
नत्वचक्र द व नासुहानि नाज ग द लु कृत्वा सुक नाष्ट न त सुमानिय सु ना व ली
दिकं ड विलय य ध अर्थ न व वि ज ष पु नि थ ला व नि या ॥ न न डं का नादि कम
पि क्रम सा वि त्रि न म व ली के ॥ अंश ४३३ ॥ व त्या धि ष्ठा न ॥ ॥ अः पाः पूः पः लीः
धः म न ॥ ॥ अंश्रितिकात्रियत्रिभुव न व ड सु र्थ ख ला व क न द या न क का न द
स्मा ॥ अंश्रि न्या नू ग ना सर्व ध म्मा ॥ अं प ह्य ना नू ग ना १ सर्व ध म्मा ॥ अं अ ह्य नो
नू ग ना १ सर्व ध म्मा ॥ अं द य पु मा नं स म य पु मा नं : न द क वा व ह्य न पु मा नः ३ न

सुनन हव यने गाद व्याम मा नू य ह ह उ त ना ॥ इं व ग्ग क्र जि क्क नी ॥ अं व जा अ नि
ऊ उ इं व हा उ व ज अ कि नि सु म य स त्व हृ ल्थ हा भा ॥ व त्रि म न्द्र ॥ अं क न र क न र
व २ अ सु य र को ह य र ड र ऊं र हूं र हू र द ह र य स र ह क र व स नू धि ला न मा ला व
लं वि ने ॥ गृ ड र स फ या ना न ग नं ल ज ग स र्प म्भाः ग कु य र म्भा क ध र डीं र हूं र क्क र ह
र डीं र डं र कि त्रि र सि त्रि र हि त्रि र धि त्रि र डं र हू र ह्मा हा ॥ ॥ अं व र वा हि र ह र्च य
क्र ना क्र सु त न प्रे न पि सा सा सा दा य सा न अ कि न्या दि द य ॥ न्म व लि गृ ड गृ स
वृ सि धि म प्र य क्क नु य र्थ व न र्थ व ल ज थ पि ज र्थ जि धृ र्थ म्भा नि का म र्थ म म स

ई सत्वा कृ सत्वा का न नया सत्वा य वृद्ध य सत्वा य का ह व तु कं र ह ह् स्वा हा ॥ ॥ प
व्यादि प्रजा ॥ लाः घीः मृति ॥ ॥ पीथमदि प्रजा ॥ अपि ल्प पीथम स्वा हा ॥ ईं कृ उ म
कृ ता य स्वा हा ॥ ईं कृ उ पा कृ मृ य स्वा हा ॥ उं म ना य को म ना य स्वा हा ॥ ईं म म ना य
स्वा हा ॥ मृ ॥ ईं कृ उ पा कृ उ म म न धि वा हि नि वि न वि न म न सृ र्वा हि नि पु न मा
मि ईं ॥ ग ना य गं हि न ग ना प र कृ य वि क ल्य क या जि न कृ स हा त्रि न ॥ स वा म
ना वा म वि मृ क मृ क यः वि ल व ल वा य न मा सृ या गि नि ॥ ॥ मं कृ न र्थ न ॥ ईं
न प ल व ईं ॥ व द ना ल थ ईं ॥ ईं स हा स थ ईं ॥ ईं स हा न स र्थ थ ईं ॥ मृ ॥ ह व

[illegible]

यह लक्ष्मी ४॥ ॥ रुमावन ॥ भ्राता फलापति ह्ना नाः दग ह्ना रमया विहाय प्र
नमधिकं नाथ नत्सर्व क्रन्तु महसि क्रन्तु महन्तु सम्प्रदादव नः सुग नावया वृमा
द्या ली कपा गोचः यानि तन विविध कया गमनि ह्ना लि क्क पलि क्क दान पु न् अनू ग
हाय न मम यदु न् इ ह्ना न् कि विमया मरु विषा पुन न क्र नः व्य क्क त्व या नाथः
यदि त्रा हि दहि नां ॥ न क्रन्तु दडा ना सर्व क्रन्तु ध्य पुनि मा वि नः क्रन्तु दान पु न् ४ गम
नि ह्ना लि च क्रन्तु सर्व न ॥ यदु न् काय जपा पः जदु न् वा क्क पा पः जदु न् चित
जपा पः नत्सर्व क्रन्तु महसि न म्मा न् न् दू र्ध्व ई न्करा म् च नाय न म्मा ल् न् न् स न् पु

[illegible]

वसुधैव कुटुम्बकम् इति विद्युः सा विदुः विदुः नृपा मृतं तनैः चिन्तयन्तः विदुः कस्य मय
दत्तं नास्ति न ददन्तः यत्किं तनैः चिन्तयन्तः ॥ आः पाः धूः ॥ ॥ निना जन ॥ अं अ
४ खं नृ नां रुं रुं रुं ॥ प्रोक्तं न ॥ अं अ ४ वजं नृ रुं सर्वपापविघ्नमालानहमिह
नृ रुं रुं ॥ पं कं रुं रुं दत्ता अं अ ४ वजं नृ रुं सर्वपापविघ्नमालानहमिह
वतः पूष्य सुह ॥ अं अ ४ वजं नृ रुं सर्वपापविघ्नमालानहमिह ॥ कचिन्मिला ॥ अं
अ ४ वजं नृ रुं सर्वपापविघ्नमालानहमिह ॥ अं अ ४ वजं नृ रुं सर्वपापविघ्नमालानहमिह ॥
नृ लो रुं रुं रुं रुं सर्वपापविघ्नमालानहमिह ॥ अं अ ४ वजं नृ रुं सर्वपापविघ्नमालानहमिह ॥

पापदहनवज्रः कलरक्षा नयरङ्गं हृत् ॥ अं श्राङ् ॥ दिपदभन ॥ अं हनरसं मृतर
ॐ द्वियवतविम्वधनिद्रं नूतवनेद्रं हृत् ॥ ॥ विधिथं प्रजा ॥ पः लाः घः मृता ॥
आप ॥ अं श्रा ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॥ ॥ चनभ्रमिस्त्रापन ॥ ॥ ननीभ्रमिर्कन्दा
स्त्राधन ॥ अं श्रा खं नू गार्हद्रं हृत् ॥ आ क्रन ॥ अं हं खं स्रं नं ॐ ॥ अं म दनि वजिह
ववज्वं श्रं ॥ वज्रं नभ्रमिस्त्रा न ॥ नदन्पं क्त्रीहिः क्म स्र ह ॥ अं वजस्र
श्रा ॐ ॥ ॥ क्म स्त्राल ॥ अं श्रा ॐ ॥ ॐ म म हा क्म म दिव्या ॐ ववि नाव म्रदव
ता श्रद्ध धर्मसंघतनाः पृथिविजाता दला गहा ॐ सर्वविद्युन्मानि स्रसिं पा

स्ति वनक्रा कर्वन्तु स्थाहा ॥ ॐ द्यादिला कपातः पूष्य न्याग ॥ ॥ नना ॐ च
ना गोरुन ॥ ॐ वृध ग्म यानिः सुवे न दनू जि न सु ना ३ देव नान स चो वृ न द्याः
लोकपालाः स्था सु न दिव सु नाः दडा नाहि ३ सु म ना ३ ग्म ना क ल्या न चि हा सु क न ज
न पति ज्ञानः न क्रार्थ ना य पू जाः पू जा गृ द्र नुः ग्म किः वि वी ध हु वि दि ना स्त ज जा ग
हृ र स्था ॥ ॥ न दनू का कृ ग्म धन ॥ ॐ आ ३ खन् नो ह दं ह ॥ यो क्र न ॥ अग्नि
दिव न ॥ ॐ अग्नि पा द्या द्या व म नं प्र नि रु स्था हा ॥ ॐ आ ३ खन् नो ह दं ह सर्व वि घ्न ह
ल र दं ॥ त नो ग्मि न र्प न ॥ न त्व स्त स्ति वा क ॥ ॐ अग्नि ह न र त्वां ह ॥ अत्य स्था पन ॥

ॐ वं जय ऊर् न आ ॥ स य ह रु न व य ऊ न ॥ ॥ अ न ॥ न ना क रि ना गि म ध यः
यं का न हं जा नं व म मा न यः न दू प ति नं ॐ गि मं लः न का ला ह वं पी न व न्म म
क म् स वं व तुः लु जं वा म द न्म क म द न्म य नः सर्व व न क्र मा ना ध नः पि ना व न ह न नं
य स्मि प्र वि ति नः त्रि नं ज न ना म क न धा ति नः व ज स ल्वा न क नं श्री ति नः सु म या
गि वि ला य ॥ ॐ व ह रि म हा ल न द व वि दि ज स रु म गृ हि लो क नि म हा न हि स
नि हि ना ह व लो हा ॥ ॐ आं कं न किं कं जं ३ ॥ ॥ इ कि ना ज म् डा ॥ ध्रु प ॥
भा क व न ॥ ॐ आं ४ क व व जा क म वि ज मा क व य ज ॥ ॐ वं ज पा म वि ज ना व य जी

॥ अं वज्र ह्रीं वृ वि ज मा क र्ब य व श्व य वः ॥ अं व ज्ञा व म वि ज्ञा व य द्वा ॥
अं का न स्य च मं हा म्यः हृ त्वा न्न च य व ह्मि ना ॥ न स्मा द्वि ध वि न स्र वः न मं कृ प त म
स्य तः ॥ ह्रीं न ज्ञा नि म य ज ह्रः स्रं ना व स्र मि ध्व ह्र न ॥ मं कृ य ह्र न य ह्र नः
ह्रीं ना मि ध्व नि रू प कं ॥ ॥ ऊ ह्र द ह्र नि पा पा निः दि घ मा कृ प दा य कं ॥ आ य्या
य ना पू र्ण वा यिः त्रि वि धा द्वा त्त न तु ॥ ॥ न ह्र द प त मं च नः न ह्य म नं व न्न
द ज्ञा ना ॥ ना हि न ध्व ह्रि नं प मीः ह्रं आ दि द ज्ञा ना ॥ ॥ प न्न च द्वा क म ध्व ह्रः
वि ज्ञः ज्ञा का न ह्र वी ना द ना न्न क ना नि नः वी धि ह्र ना न ना वि धि धा ॥ अं ह्र य

शार्दिप्यादिप्याविषाविषमहाशिवहव्यक्रयवाहानायदृश्यजङ्गं वहा ४ समयसु
त्वमिनि ॥ - ॥ नीत्राजनक्याय ॥ ॥ अं वज्रय क्रुङ्गं ॥ सुगध ॥ अं वज्रनक्रुङ्गं ॥
गं वनं व ॥ अं अत्यप्रवसकाय आचमनप्रतिरुक्ताहा ॥ वक्रु ॥ अं अत्य x पाघ
प्र x ॥ दयापादाः ॥ अं अत्य x प्रा क्रु नं x ॥ सर्व गम ॥ अं वज्र नज्ज ॥ ३ ॥ इति
मं क्रु न समयात्म्यप्रवसय न ॥ न ज्ञयानिहं लभधनः श्रीमती पुनयसु च्छाजान
नामक नयानाः वृत्ता कर्तु रं भवतः वृत्ता दससमावृत्ताः पानिग्रहाश्रिकम
नि ॥ इति हिषिका ॥ अं सर्व न च्छा गतः कायविश्वधनं क्रुङ्गं हा ॥ वं सु गधमिति

ह्रीं नमः॥ अं गं क्रं रवं जं मा घ प त्रि म् ॥ ह्रस्व ध्वय र धि त्रि र म् ॥ ह्रस्व स ह्रस्व म ह्रा प य
कं वं ॥ अं जिं रवं कं ह्रस्व ह्रा ॥ पं र्क्ष ग र्थ ॥ पं र्क्ष प ह्र न प र्क्षा ॥ पृथ न्या स ॥ ॥
उं ॥ अं र्क्ष य स्या ह्रा ॥ अं कं त्रि ना य स्या ह्रा ॥ उं प्र कृ त्रि ना य स्या ह्रा ॥ दि फ क्ता ना य स्या ह्रा
॥ ह्र म ह्र क्ता ना य स्या ह्रा ॥ अं मानि ह्र द्रा य स्या ह्रा ॥ अं प्र ह्र द्रा य स्या ह्रा ॥ अं नं जी क
म ना य स्या ह्रा ॥ पं लाः घं म् ॥ नृ जं सं वि ज नि जा नं पी न व र्क्षः म ह्रा क लं ॥ पी
ना व ना घ न कं जीः ॥ ह्रस्व य न म ह्र नं ॥ व उ त्त ज म ह्रा नं जीः य ना म क न य न र्क्ष
॥ व न क्ता ना चः द न क म नृ ध नं ॥ उ क न क त्रि न द ह्रः दि फ क्ता ला सु मा वृ ना ॥

प्रहारा नीहि गोदहः अनताय न मा म्भु न ॥ न र्प न ॥ नृ नि स म या यी ॥ ॥ अ
ग्नि सि मा ॥ उं आ खं नु ला ह कं ॥ अग्निः सर्व विद्यु ह न र द्धं ॥ न द नू पा नि स म व न ॥
॥ धे त दा य क ॥ उं ग्रा त ह ॥ ॥ क्षे त्र व क ॥ उं सर्व पा प द ह न व जा यः सर्व पा प
द ह स्या ह ॥ ज ज मा न द्यु ता व लो क न ॥ पु नि वि मू षा दि ॥ ॥ आ प न पा उ प
जा ॥ ध्वा न ॥ कृ ण य त्रि न्य स पा उः दा स्ति ग द ल पं क जैः नृ ष ड धं द्यु ता प र्कः
कृ णा नः श्र व न थ ॥ पृ ष्ठा स ॥ ॥ न नी अग्नि म्भु नू का न नः य व रु न
पु मा श्रु क व जि वि लो य ॥ ज्ञा न त्व न त लि नं सर्व न व द्धि सु षः वृ ष ऽ म नू नः ॥

आद्यु नाद्रुनि दद्या ॥ ॥ न नो लो व नाः प्रीं क्र न सर्व ग्म उं पू या र्घी पा र्धा प दा
प र न ॥ मू द्वि अ र्घ क ना द द्या उ व कू ना व म न न था ॥ सर्व द र्घ मू र्घ गं न्ध हृ दि
हृ ल सि प र्था कि ल कू लो द्या दि कं हृ ल कू ना र्घी धू प नं न थाः स मि ड ल दि कं सर्व
ः प्र ल द्या दि प नं पू न ॥ त्रे व द्या दि न सा प नः पू न न कृ ष्ट व स ल ॥ ॥ घ न न प त्रि
लि फ नः स मि ध प त्रि ल म ध य ॥ म नु प त्रि न द्या त्रि न स म्प क कृ ष्ट या द्र ज पा नि
ना ॥ ॥ ॐ अ र्घ हा ॥ सा ध न म नु ॥ ॐ अ र्घ य र्घ हा ॥ ३ घ ना द्रु नि ॥ घ न प
त्रि फ न सर्व हृ मि धं कृ ष्ट या न ॥ वि म न म य स मृ ष्टः निर्म लं ज ल प र्ति नं ॥ इ ग्ध न त्वा

मिनंगवसिबःयडिहिअधनं॥ मंनु॥ कंसंविहि डिं वं आं कं खं कं स्त्रहा॥ वृदि
उमधन॥ ॥ अं अर्कायस्त्रहा॥ अर्कसि॥ अं वज्र सा मा यस्त्रहा॥ यत्ता गसि॥ अं
वज्र म ना यस्त्रहा॥ त्वदि न ही॥ अं वज्र क द्वा स्त्रहा॥ अणमा गसि॥ अं वज्र क व न
यस्त्रहा॥ व ठ स्त्रहा॥ अं वज्र इ म ना यस्त्रहा॥ इ व न सि॥ अं वज्र म नि म्म ना यस्त्रहा॥
स मि कं थ सि॥ अं वज्र वा धि व क्का यस्त्रहा॥ अस्त्रहा॥ अं वज्र न ना यस्त्रहा॥ प्र
रु सि॥ अं वज्र वि जा यस्त्रहा॥ व्र म न नी॥ अं म धू न स्त्रहा॥ म धू नं॥ अं अर्ल म का य
स्त्रहा॥ अर्ग्व क॥ अं सर्व पा य प्र स म ना यस्त्रहा॥ वे क क सि॥ अं वज्र म रु का ना य

स्वाहा॥ आसुस्वा॥ अंसर्वक्रमप्रसमनाय स्वाहा॥ गं ह्यत्रि॥ अंवजकदम्याय
स्वाहा॥ कदवत्या॥ अंसर्वनाहद्राय स्वाहा॥ ॥ अंवजहिनानकाय स्वाहा॥ हि
लाया॥ अंवजमदनाय स्वाहा॥ मदमकलुका॥ इतिभस्मादसुगमिध॥ ॥
अंभपनिह नवजाय स्वाहा॥ क्रम॥ अंवजयूष स्वाहा॥ इषीकृन्तु॥ अंसर्व
पापदहनवजाय स्वाहा॥ अंसर्वपापः दहर स्वाहा॥ नील॥ अंवजपूषय स्वा
हा॥ अस्वन्तु नन्तुलस्य॥ अंवजवंगमय स्वाहा॥ नक्षी॥ अंवजघस्मनाय स्वाहा
॥ अमधूना॥ अंवजदिजाय स्वाहा॥ म्यानउमा॥ अंवजमहावन स्वाहा॥ मास॥

जं वज्रमगनाय स्वाहा ॥ मगना ॥ जं वज्रका नाय स्वाहा ॥ मगना ॥ जं वज्रका मा स पि
नु स्वाहा ॥ कोला ॥ जं भ्रातृ क नम नाय स्वाहा ॥ कय म ॥ जं वज्र ना जा स्वाहा ॥ ना
या ॥ जं सर्व च सिधिय स्वाहा ॥ त्रका ॥ जं सर्व क सुप्र स म नाय स्वाहा ॥ पुका ॥ जं
सर्व सि प्र द स्वाहा ॥ दधि म ॥ जं वज्र प्रिय न माय स्वाहा ॥ प्रीय म ॥ जं भ्रा ४ वज
द र्शन द नाय स्वाहा ॥ कोल ह न ॥ जं भ्रा म धू न ति म्ब नाय स्वाहा ॥ वय न ॥ जं दं
जं जं भ्रा ४ लां मां पां जं सर्व वि हि जिं स्वाहा ॥ व्री हि त्म धन ॥ ॥ क्रो वि हि इय
॥ प्र च मा द्ग नि या य ॥ ॥ न नो जा न्य त्म न न लि नः वा म क न न्म द्ध न प र्क पा

तामोदायः दक्षिणं कननं कननं लक्ष्मणस्य श्रुत्वा मादाय समित्य प्रदक्षिणः का
नयित्वा। आत्मानमिष्टदत्तात् रूपमूहकनः वक्ष्यति विदुः नमस्कृत्य जथा मूहवमक
त्रिपुष्टसफः कविशल्या दूनिदद्यात् ॥ जनधना ॥ ॥ अं भृगुमृश्वमृश्रिया
दो सर्वगमजं जगद्वह्नाद्वह्नुं प्रवतसे कानायकं हृदयं हृदयं ॥ ॥ आदूनि ॥ खरि
वाकादि ॥ ॥ अं भृगुयदिव्यदीया विषा विषमहाशयः हयकथवाहनायः
जजमानस्य पृष्ठे कुरुद्वह्ना ॥ मनु ॥ वः लाः घः भृगु ॥ ॥ न नो ह्यनादूनिः
॥ चक्रसाधन ॥ हामाग्निर्वैव विधिना चतुर्कप्रसाधः क्रिलाकसंभ्रमध्वनिगय

कृष्णाति॥ यं कृष्णं न प्रणिमयायसि सिद्धिं न हमादि पात्रं निहि नं प्रणि पादनि
यं॥ ॥ अं वं अं जिं खं दं ॥ दिव्या नमन प्री न न सा हा ॥ इ नि च त्र सा धन ॥ ॥
न नो वु मे ना च म ना दि क कृ त्वा लो का न न ह्ना ना ग्री वि हा व्य ॥ का ना का ना र्त्त य हा
य ह्ना दि क म न त्र द्रा स ना प नि मं नु ना धि प नि वि ज नि य च वि द्र विः ज प नि ना
म नः मं नु ना धि प निः सु मा नु न र्त्त वि हा व्यः ह्ना न स त्व त्व व जा कृ ण्म दि हि ना कृ ष
प्र य सः य हा ह्ना य क्री त नि त मि व स म य स त्व स हे दि कृ त्वा अ हि र्षि व यो कृ
म ना धं पा धा च म ना दि कं ॥ पू जा न्नि कृ त्वा शं कृ या न ॥ ॥ मा म कि पू जा ॥ दं

मन्त्रयाश्च नः शः पाः प्राः भूः भवः पूषा न्या ग्या पः लां घं मृ न॥ दज नाम धं त्रु का
न न मृ क व ज य ह न प्र मा न वि हा वा ॥ अं क्रीं आ च मन पु नि रु स्वा हा ॥ पूर्व व स्य नि
वा स्वा न म नु न रु द्र या न् ॥ दज ना कृ निः ऊ धर्माः भू का नः द क्र ना कि ॥ य न सु
ह मा कृ नि या यः व नि वि यः पं लां घं मृ नि ॥ वा कृ पू जाः न नु न चि त ॥ लो हा मि
न क्र ॥ ॥ य न पू र्ण कृ प कः सि नि का इ य श ज ज मा न चि य क पू र्ण कृ नि या
य ॥ ॥ अं ग ग न ग ग न वि त्रा कि न न जी ना जा य भू कृ ह ग्म नि पू लि
कृ न् अं स्वा हा ॥ वि व ह न ना त्रि क ल ॥ अं सु मा धि रु न भू स्वा हा ॥ म म स ॥ अं भू

२५३

ॐ ह्रीं म मा व नि न क त व ल हं ह्रा ॥ श्री वंदुः ग्व त वं ॥ अं भ्रा ४ व ज वा स ह हं ह्रा
हा ॥ ज ज का ॥ अं ह्र प य क न नि य व वि क न ह्रा ॥ उ ह्रा न ह्रा ॥ अं व ज प य ह्रा
हा ॥ ह्रा ह्रा ह्रा ॥ अं ध र्म ध र्म ना ज द ह र स वी व पु पु अ नि क न ह्रा ॥ व नु न नि
क प ना ॥ अं भ्रा ४ व ज ध य नी ह्रा ॥ ध य ॥ अं भ्रा व ज व नी कि नं द्री ह्रा ॥ दी प ॥
अं भ्रा ४ व ज ह्र न्न ना य ह्रा ॥ उः हः स कि ॥ अं व ज ना म्म ना य ह्रा ॥ ग्मः ग्व व
अं व ज पृ ष्ठी का य ह्रा ॥ पृ ष्ठ य क अ न ॥ अं भ्रा ४ ह्र ह्रा ॥ सर्व य ह्रा प क न न ॥ अं
व ज व स क ना य ह्रा ॥ क स मा ॥ अं व ज न ला न का ना य ह्रा ॥ अ न प य ॥ अं व ज वि

जयं कं ह्रा ॥ सुम क ॥ अं सर्व कर्म क त्रिय कं ह्रा ॥ नाग क ग ॥ अं वज्र म दय क
ह्रा ॥ पद्म क ग ॥ अं हन र कं हृ ह्रा ॥ सुकू न ह ॥ अं कू र सर्व कार्य सि सि म ह्रा
ह्रा ॥ कू कू म ॥ अं म द र सर्व उ व्या न य ह्रा ॥ क प न ॥ अं व ग ॥ ह वा य कं हृ ह्रा ॥ न
क व न ॥ ज य र कं हृ ह्रा ॥ आ र्ष ॥ अं ह न न्य पु द ह्रा ॥ नी न नै न ॥ अं स
र्व न ल पु द कं हृ ह्रा ॥ गंध नै न ॥ अं सर्व या ग सा ध न ॥ अं प र्शु कू न कं हृ ह्रा ॥
॥ ३ ॥ अं स म सर्व श न य ह्रा ॥ भं ग नू ॥ अं क नि ध नि सर्व सि धि कू न ॥ अं ह्रा
ह्रा ॥ न क नि न ॥ अं त्रि ह ना य ह्रा ॥ नि ह ला ॥ अं नि क ह् का य ह्रा ॥ त्रि क ठ ॥

अं सर्वनामप्रसन्ननायकाहा ॥ अषष्टि ॥ अं वज्रदहनहनायकाहा ॥ की नहन ॥
अं वज्रनयकाहा ॥ वयसि ॥ अं सर्वनाहनायकाहा ॥ नूवसी ॥ अं संप्रसन्ननाहा ॥
प्रनागहन ॥ अं वज्रप्रियनमायकाहा ॥ प्रीयम् ॥ अं भद्रं हा ॥ मूलादि ॥ अं
सर्वप्रसन्ननाहा ॥ ८ ॥ यः लाः धः तु न ॥ ॥ यनपुष्पाया
वा ॥ अं भद्रयदीप्यादिव्याद्यादि ॥ पुष्पाङ्गनिगृह्यरपुनयरतां हा ॥ यं
यथातपुजाभुति ॥ ॥ ननादमन्त्रिवन्त्रिविय ॥ मन्त्रपुजाः दक्रना ॥ स्त्रीनन
नः क्रमापुन ॥ ॥ अं महिषकः सन्मन ॥ सुमय ॥ ॥ पुनः अग्निदशनाल

वयं ॥ ॥ अं भ्रा ॥ ह व तु क ह व प त्रि मि ना व षु ज र ईं ह ह् स्या हा ॥ ३ ॥ सखा
द्रु नि या या ॥ य व ग मा न्या दि ॥ ॥ अं भ्रा ह व तु क दान प न य था हि लं षि नः
प्र न य र ष्म स्या द्वा ई नि पु नि क्क ईं ह ह् स्या हा ॥ ३ ॥ पः लां घः म्क नि ॥ सु ना क्र न वि
म्ब जन ॥ क्क सु म न्मु लः क्क सु कः सि क्क म्क द्वा या ॥ इ नि हा म क्रि या वि धि सु मा फा ॥
॥ ॥ ॥ अं न भा ग्री च उ म हा रा व ना या ॥ ॥ अं स व ल्ल द्वा स र्व ध म्मा ना
स हा व ल्ल द्वा ई ॥ ग्ग न्य ना ल्ल न व ज स हा म को ई ॥ अं म ठि नि ग्ग न्य ना न नः वि ग्ग
हा कु द न ग नाः क नि का क ग ना क्क लः ईं का न वि ज स ज्ञा नः भ्र क्का ल्ल द्वा न ना थ य

नित्रवैर्लुगमहिर्नःत्रकवकुप्रिननचःककरीहिसहिषनःडकानिविन्निगाव
गःनत्तमकनमोत्रिचःखर्गपासुधननाथःचडुमात्रविवधनःछाषवजीसमाति
मःवकधन्नादधनिर्कःसुर्वपापहननाथःथाःॐआपत्रिपत्रिनःनसुत्तसुहानसु
त्ववःहृदिअकननाचीनःसमयसुत्वविलयःश्रीवन्दुमहागोषनाथःआत्मानंवि
सृष्टायंन॥ ॥ ॐआ॥ ४३॥ वन्दुमहागोषनहगताःकाप्रहसकृतायपाश्राष्ट्र
चमनप्रोक्रमनप्रतिरुखाहा॥ ॥ ॐवज्राक्रमज॥ ॐवज्रपानज्री॥ ॐवज्रसु
हव॥ ॐवज्रावगहा॥ ॥ ॐवन्दुमहागोषनाथ॥ ॐहृद्॥ ॐहृद्श्रीव

नमो ह्येह ॥ अं ह्य व वजि क ह ह ॥ मध्या ॥ अं ह्य ना व न व ज प य प्र नि क ह ह ॥
॥ य ॥ अं पि ना व न व ज ॥ द ॥ अं न क्का व न व ज ॥ य ॥ अं ग्ग मा व न व ज ॥ उ ॥
अं मा व जि व ज ॥ अ ॥ अं पि नु न व जि व ज ॥ ने ॥ अं ना ग व जि व ज ॥ वा ॥
अं ह्य व जि व ज ॥ अं ॥ अं द्रा दि ना क पा न वी य ॥ पः अं लाः घीः मृ नि ॥ ॥
वि ग्ग मा शी ज दि न स मी नु ल ग नि क्क का न वि ज्ञा ह वंः डं ह्य हि ४ व न पि ति नाः घ न
म नं धा नाः ह ह सत्य नं ॥ उ ह्य मा सि वि ना जि नः द क्रि न क न पा नः क स य क रः
व नु ग्ग मा व न वं ड म हा ना व नः म हा क्का ध म् अ ह स दा ॥ ॥ न वी न ॥ अं क्रां डी

ॐ वन्द्य नृपः स्वर्गप्रवर्धक हरप्रसू नृप्रसू नयनरुह नरग्रसर्ववन्द्य रजःश्रुय र
रुःश्रुय रमा हर हर सर्वसुपु नीमूषवर्धः नेक नृप्रसू सर्वजाकि निनीः ग्रह तन प्र नपि
सा र व्याधि यक्र नाः जागय रम नरमा नय र नृनृकः वन्द्य नृक नृक रमा वन्द्य महात्रा
वनमहाप्रयतिः ॐ वन्द्य महात्रावन नृनृक ररुह स्याहा ॥ ॥ धन जाय ॥ ॥ वनि
सः पांः पंः पंः नांः घंः ॐ ॥ धन कद्वर्धदपोः रुनि नविदनि नः मर्दिनं नृनृक यानिः लय
प्रमा नृनृकः रुनि ज नम नृनाः नायध नाविन नः स्रुत पाता नम नृः ग्रह गन स
नाः पात्रदि ग्यात्र नागः ॐ लो क्क जा नमूकिः जय नृविज नः वन्द्य ना वा रन

ग्रा॥ ॥ वलिमा ना॥ अंनमा हगव नः ग्राव नुम हा ना ष नायः द वा सु न म नू क
काः जा ह न क नायः स क न वि ना स नः क नायः भू न हि कू स म व पू षः न त्व म कू ढ
हि न स्यः वृं द्र व नि ग्द ड र म म सृ र्वा वि द्या नः ह ग र व तु मा ना न नि वा न य र जा स
य र किं ड र हिं ड र ना ग य र ना प य ह्म व य र कू ड र हं ड र इ ष ह्म स त्वा नः म म
वि द्ध क चि का न ह लि क नू कं कं हं ह र ह्म हा॥ ॥ पः लाः धः भू न॥ ॥ क
कू व नू म हा वि नः ख मे पा म न डू निः सृ र्वा इ ष नि कू नै वः भू व न वि नै न मा मि
कं॥ क क ना कू म हा धा नः न त्व मी नि वि ह वि नै वः ख मे पा म ध न वि नै न मा मि र्वा

उमावनी॥ ॥ ॥ ॥ अं नमः श्री कालाग्र्ये ॥ ॥ अं आ ४ इं श्री मद्भजस
त्वःत्यादि॥ उपादहं ग नहि तां व नू द ह्मा त्रिः न क्क पु ला वि ज य निः ॐ धा तु कं नू पि नि
ः व ज ग ना गु न ग नैः सु म लं कृ ता याः म नु च या मि म न नं ल ग व तिः ज न नि जि ना
ना॥ न न ४ ४ न्य ता पु व सानः न नः श्री व ज द वि नू पः मा न य न दा का न र्जः स र्व क मि
क्रा मि य कृ ता ॥ ॥ अं ह्रीं मू नि ह्रीं मू र्कं हृ ॥ अं गृ कृ र्कं र हृ ॥ अं गृ कृ प य र कृ र
हृ ॥ अं भ्रा न य ह्रा ल ग व न वि द्या ना ज कृ र हृ ॥ ॐ नृ नै दि ग व ध नं कृ ता ॥ ॥ म
कृ म ध न ॥ अं ह ४ हा ४ झी ४ ज्ज र्दे खा हा ॥ यून ४ पी ता गु न्य ता ला व य न ॥ झी ४ का न

पत्रमलाङ्गनः श्रीकात्रमासकि कृष्णदि त्रिजावज रुक्माङ्गिका न नाक्रात्य रुक्मादि
त्रिजाः वज्ररुक्मा न न संप्रनयानमहा नाना नमहा नागलड विलनः पश्य म
॥ पत्र ४ रुक्माङ्गी अरुं स्त्रा हा ॥ असर्वरुक्मा मिनिः सर्वरुक्मा धनि म्रु व
त्रिनि आर्ध सुत्रिः सर्वडय बापिनि अथ यरुक्मा ॥ अं रुक्माङ्गी न रुक्माङ्गी व रुक्माङ्गी
कात्रगंधना सुनः त्रिंकात्रन विज रुक्माङ्गी अरुक्माङ्गी न रुक्माङ्गी पश्य न ॥ अं अरुक्मा
न अरुक्माङ्गी पश्य सुय रुक्माङ्गी ॥ नदनुह गअ निमर्क न रुक्माङ्गी पश्य न ॥ अं गन्ध
सु ॥ अं वं नाहिः हायाः रुक्माङ्गी आर्ध रुक्माङ्गी आर्ध रुक्माङ्गी मिषायां रुक्माङ्गी

सुखीं ॥ ॥ ह ग व नि मं कु न प्रा क्र म न ॥ ॥ अं कं स्था हा ॥ व ज ॥ अं हा स्था हा ॥ वं न
॥ न्या दि ॥ अं भ्रा कं अं वा धि ष्ठा न ॥ ह र मं कु न प र्वा धि ष्ठा न ॥ अं भ्रा कं हं ह ॥ व
त्था धि ष्ठा न ॥ अं भ्रा कं मं कु ना धि ष्ठा न ॥ अं स्था न मं न कृ दं ॥ अं या ग मं न कृ दं ॥ अं
भ्रा त्मा न न कृ दं ॥ ॥ अं खं ल व लु क स र्व ध म्मा न्या दि ॥ ॥ नं नि मं कु म् च यै ॥
प्र ल ख त्मा नः प्र नि ध न वि रु न त्वा दा सः नि र्म ला र्क ग ग न द ह नि हा
न व कृ ॥ ति द न क म न म यः पी न सु वा ह द या प त्रिः वा म द क्रि न्म व ल्म त्रिः का रि
य को ॥ उ र्ध्व गी त ल क न प त्रि वि ना ॥ दि नं न मं कु ल म धा वं का तः न क प त्रि ना

मनःहमवनिवजवाताहिःसंश्चासिधुनवन्मःगंमनादिनक्रावसलवाःम
 लवकीदक्रिनकातास्याःहिवनाईमृतिवःवामपाएवेष्टनखद्वागंमःवामक
 गहिःनःनकापूरुकावात्रवताःदक्रिनपुमिनाईःनिलवजकनिधनःधादस
 वर्षहमीगीःनिर्वसुनासिनासिनिनदमृतिमालावस्तिनःमृकननिनक
 कनसिनाकहाःपुनिमृयनगुठयःगुवद्रुधिताननाःसुनसनःनमिनाम
 निलनालकगीःगंमनविनविलसःगोडःहासलया नकाःकननालनगंमनि
 नानग्वतानिगीःचक्रिकंनुनकनिद्रवक्रप्रवलाःसुतादिहिषनमृडा

मृदिनीः सुफाककि न नाहः नहि प्रलम्बता सनाः अर्द्धपर्यङ्क नि ह्युस्मिनीः
लगवनिहावयन् ॥ ॥ आं निम्नीनवक्रस्मिन् वकातः नमिमालाहिलाक
ष अक निष्ठः हवेनः वर्हि निः स्नानददिमाकृष्यः समयदवहकलवयन् ॥ इ
३ ॥ ॥ आं भ्रा ४ डी वजवाहाहिः पुवतसका मय पा या घं च मन प्री क्रन पु नि क
स्वाहा ॥ ॥ अं ज ४ ड्रं वं ४ हा ॥ ॥ प्रथम्या ॥ ॥ आं सर्ववृद्धा जिनि यवजप
षा भ्रा ४ ड्रं रुं द् स्वाहा ॥ ॥ आं वजवर्क नि यवजपूष्य भ्रा ४ ड्रं रुं द् स्वाहा ॥ ॥ आं वजवेताव
नि यवजपूष्य भ्रा ४ ड्रं रुं द् स्वाहा ॥ ॥ मध्य ॥ ॥ आं उदिया नवजपूष्य भ्रा ४ ड्रं रुं द् स्वाहा

॥ प्र ॥ अं पून गिरि त्रिय वज्र पूष्य आ ४ कं हं ट स्या हा ॥ ३ ॥ अं काम त्र पिय वज्र पू
ष्य आ ४ कं हं ट स्या हा ॥ ४ ॥ अं ग्राह नाथ वज्र पूष्य आ ४ कं हं ट स्या हा ॥ ५ ॥ अं धर्म
काय वज्र पूष्य आ ४ कं हं ट स्या हा ॥ ६ ॥ अं संस्कार काय वज्र पूष्य आ ४ कं हं ट स्या हा
॥ ७ ॥ अं निर्मान काय वज्र पूष्य आ ४ कं हं ट स्या हा ॥ ८ ॥ अं महा सख कोय वज्र
पूष्य आ ४ कं हं ट स्या हा ॥ ९ ॥ अं आकाश वरुण वज्र पूष्य आ ४ कं हं ट स्या हा ॥ १० ॥
दिक्क मा वरुण ॥ परः प्राः धः म् न ॥ अं नत्वा ग्रा वज्र वा नाहि संकु मू कि जि न म्
त्रिः अ त्वा ना व न दा हि माः त्रि वि सि हि दि अ न प्र दाः त्र व का नं स मा मि लं ग ह ज

उत्तुपिनिःप्रह्लादा नदहायः नमस्तु नैवजजा। त्रिनि॥ ॥ नृपनि॥ अं
नमस्तु नैवजवा नाहियकंकंरुह॥ अं नमस्तु अर्य अर्य नाजि नैवलोका
न नैवकंकंरुह॥ अं नमस्तु सर्वत न हया वरुमाहा वजकंकंरुह॥ अं नमस्तु वजासु न
अजि नैव अर्य नाजि नैव अर्य कति नैव अर्य मनि कंकंरुह॥ अं नमस्तु व निरुध
निकाधुनिक नात्र नि कंकंरुह॥ अं नमस्तु अर्य निमात्र निरुध दनिपनाजय
कंकंरुह॥ अं नमस्तु अर्य अर्य अर्य निरुध निमात्र निरुध कंकंरुह॥ अं नमस्तु वजि निव
जवा नाहिवज^{नैव} अं त्रिनि का मर्य निरुध कंकंरुह॥ अं अर्य अर्य कंकंरुह॥ अं अर्य अर्य

कूंरूंरूं॥ जूंउऊ कूंरूंरूं॥ जूंअअ कूंरूंरूं॥ जूं२२ कूंरूंरूं॥ जूंउउ कूंरूंरूं॥
॥ ठूंठा ठूंरूंरूं॥ जूंअअ कूंरूंरूं॥ ॥ नन४को नमः सक्तकः खलिक
वामावतुनतमिकभक्तद्रवधायान॥ तदनूदविकमलादनः नाहिसध्वानन
धम्मदयाः मध्ववकानानक॥ जूं३सर्वप्रदं ठीकनियवजवधनियवजवनाव
निरनियः कूं३रूं३३ ह्याहा॥ इनिमंनुनमदनहंकलदिगसुष्यामितिनपकी
नयस्याः ध्वकानविनहनः नवक्रंवाभनातिवगतः मानानिग्धः आपमवग्यनू॥
यनदविवरुत्रातिरूपः निग्धनंउदिपवगुक्ता कलमानमाहसुषवक्र॥ डवित्व

वनमदमि न धनयाः न सुनायि नैव ह्य नृणां निवृत्तलिकर्मा ॥ ॥ यश्च न नि
र्मावः प्राद्वैकालनूपिनिः ॐ नृ विन्दु लिङ्गाना दाः दवि नृ पा मृ ना नर्तः तु सु आ न
क न कीः ॐ ग न का म ध र्म सृ णा ग व द्र मृ हिय मा हा सृ ष मा प दः न या का न मृ कृ
म हा सृ ष म र्यः सृ लि कं प्र य ह्यः म हा सृ ष व द्र ग ह्यः व ति वि ला सु न द्धि उ च
न कृ मृ व र्यः म दृ मृ न क ना स्मा नः सु ना प र नि स रू न म वाः वि रि त्प द वि म
म न ॥ ज्ञाः पाः प्रः पंः लाः धंः उ न ॥ का न म ध य नः ला मा नृ ला क ल दि नृ प द्वा वि क दि
षः सृ ल ला ज न रू ग प्र दा हि आ नृ ला च म ह्य मिः ज ग द म्य ह नृ की ॥ ना हि व द्र कृ ह नृ

ननासिमोवज्जवाताहिययाजसुसुवासाधसाधसाननसुपाननमपदत्तानमसहा
मिवदवानत्तीवी॥नपेन॥ ॥ननऽसुर्वकागनत्रिदिनित्तिनाग्नःपकसु
चिकवज्जपेनःआकागजंचतुमकाःनाधिल्लिनविलयःनथामायासध्वनाक्र
नमःजःनथवदविक्रपाक्षानसत्वेहतांविचिन्त्या॥इतित्रिकर्मशाग॥यनजाप
शाग॥अक्रुकाकूनकूखहियःमंक्रुविहाकूगलयम्भःसंषत्रिकृत्तिजविजइतिहा
नूंजापदरमहाक्षानःसुर्वद्वममदहयन्॥जंइंइंहाइअखंखाहा॥आपाःपूःवःलाः
धःमृन्॥ ॥वनिललावना॥यंकागनकायमंक्रुनःपत्रिकागाजात्राअग्निमंक्रु

लं आज नि नः मन्त्रं न यद्वत्रिका पर्मल जनविचि त्वा ॥ न न ह का दि प त्रि त्रि नः न
लो प त्रि क्कं आं जि र्वं कः लो मां पां नां नं ॥ का न ज यं च म न यं च यदि प न्न य न नि ष्या द
उ र्व न मन्त्रं ल व न प्र त्रि नः जा त्रि ना मिः ना प वि त्रि नः ना मा क्र ना दि कः अ हि न व न्त्रं
ला न व न्त्रं उ व न्त्रं पं दृ ष्या ॥ न इ प त्रि क्कं का ना नि नः वि न लि मा ना क्र त्रि ना क्ष म्भ र्वाः
म न म य म्भ क्क र्वा ह्रीं गं न द्वा य वि त्रि नः पा ना न स मि म्भ य न्त्री म्भ य न्त्री नि त्त न वि
वि न्त्रा ॥ न इ प त्रि उं म्भ क्कं म्भ य न्त्रं उ य द्वाः न ड मि ना क्क क्क द स दि ग व र्क व
हि न्त्रा वि त्रि वि त्रि स त्रिः स्त्र ना म्भ न मा नि य ॥ न त्रै वा क्र न्त्र प वि ष्टं चि न य न् ॥ जं

आइवयाविचन॥आपाःपूःपःलाःघःशुन॥ ॥ननाशत्रिकालियत्रिगन
चन्द्रसूर्यकनक्षयाःनर्मनंकरंकारंरुखा॥अंअन्यान्यानूगनासर्वधर्मःसर्वध
र्मःयत्रयनानूगनाःसर्वधर्मःअतएतानूगनासर्वधर्ममादव्यप्रमानसमय
प्रमानःनद्रकवाचंयत्रप्रमानं॥अननसुननहवयुननी॥दद्याममानूग
हनुतना॥अंएवमकुजिज्ञानादःअवजाननिंजःइवंहावजजाकिन्यः
समयसुहृदुगहा॥ ॥अंस्वस्वःसाहिःसर्वजकृताकृतःतनप्रनयीम
याःमादानअपस्मानःतकजाकिहादयःइन्द्रवनिगुइउसमयनकृतःस

मयसिद्धिप्रयत्नः सर्ववपर्थः तज्जथपिअथः जिघृथः मात्रिकमर्थः नम
सर्वस्त्वानावः सर्वाकागत्याः समुपवृद्धयः महायकारवन्तु कंकं हूरसाहा
पः प्रः लोः धः मः न॥ सनाक्रता॥ ॥ नृतिवज्रवाताहि मृत्वाख्या नसमाफ॥ ॥
अंनमग्रावक्रसंमताया॥ आहूतकमहावित्तः विशुद्धकृतिस्तथैतः नमामिमा
नृजनातः अकिनिजागनायक॥ १॥ वन्दुनावजवा। ताहिः माहानागनूनामि
निः अकिनि कुतथागामाः स्वन्तुनाहवन्पिनि॥ २॥ पुलितमत्रयमृद्धिः यु
वन्नावजअकिनि॥ आलंघनसिद्धिदत्ताः वन्दाविनवकिलिषी॥ ३॥ उदि

यानमायासुखं तदविप्रलम्बमिति । अथ दृष्टुं वंशकुसुमं नास्तीति न मान्यम् ॥
॥ ५ ॥ एतन्नाम निपुणं वासः कर्तुं विप्रमितिः । नामग्नयनं कुर्वामि सर्वं नि
वृत्तवदिति ॥ ३ ॥ । दविवाहं नानुश्रीमन्तं कर्तुं विप्रलम्बः । मात्रव्यक्तं ० दस्युद
मन्नायानमासि हं ॥ ६ ॥ । कामनूपे दयकः । दविनेनाग्निं शुली । जडं नदय
नापिः श्रीमन्तं हेनविप्रलम्बं ॥ ७ ॥ । तिसृकं न्यादयनालीः । वायुवगमनां नृमा । कास
तनानिकाशिकाः । नानाक्रीनमासि हं ॥ ८ ॥ । कर्तुं लावदनेनः । स्यामादविप्रलम्बं
। तेषां कर्तुं नदय । प्रसुहं डावतर्हं दति ॥ ९ ॥ । हृदयकासितिवैवः । हृदयकर्तुं मना

तमीः हमा नय पू नमन्दः नमस्या निख गम ननी ॥ १० ॥ धन पय नथा निलः का विर्यी
मभानिख नि ॥ ११ ॥ हृदव ना गु उ ह्मा नः खं नु ला हा म ना तमी ॥ ११ ॥ सो ना कु उ नू स
ग नः हो नि नी सुष दा य नि ॥ १२ ॥ व नू दि प ज घा यीः स लि ना व क व लि नी ॥ १२ ॥ न
ष न जी गु नि ह्मा नः सु वि ना व न था गि नि ॥ १३ ॥ व पा द था वृ षः षि ना द वि म हा व ना
॥ १३ ॥ म नो ची गु वृ य न नः स लि ना व व स नि ॥ १४ ॥ नू द था उ द वि मा वि र्यी न
मा म्ब ह्मा ॥ १४ ॥ ख नु क या ला द था वि ना सु पु ह्मा गु वृ वि ग्र ही न म ह का म हा वी ना
मा य वा की ह व क ग म न ॥ १५ ॥ का का उ नू म नू का ह्माः म्भ ना ह्मा गु क नान नी ॥ १५ ॥

अनीः यम इति यम इति यम मय नी ॥ १६ ॥ त्र नाद विन म स्या मिः दि ग्वि दि स्त
न ह द न । वी न वी न म्म नि ना यः ह नू क य न म्म म्म नि ॥ १७ ॥ ह ह नानु म क द वं वि
म म्म ना नु वा । अ कि नि ज न म म्म ह्मः प्र षा न ह्म न्म म व र्त् ॥ १८ ॥ उ म्म ह्म स द व
नि व क्रः ज ह्म या पा जि न म्म हं न न प न न न त क म्मः व ज ज क क स ज म न ॥ १९ ॥
न नि म्म ह नू क व तु र्वि म्म नि ह्म र्त् हं प न्म मि नि ॥ ॥ ॥ ॥ अं न म्म म्म व
ज वा ना हि ॥ न म्म ह्म व ज वा ना हिः दि र्व र्त् रू पी म्म रू पी निः कानि म्म कि द या द वि न
म ह्म व ज्जु जा मि ॥ १ ॥ व र्व क प म्म ह्म डि म्मः सी न रू पि जि न ह्म निः म्म धि सि डि उ
वा ना वः न म्म ह्म व ज्जु जा मि ॥ २ ॥ ह्म द म्म व र्व र्व र्व र्वः न ज नि न्म म्म रू पि निः उ न्म

कथायिनिदविनमास्तु न॥ ३॥ दानिडवकाकभचःसंसा नैरुजवासिनिःत्रिन
उविग्यवर्कवनमस्तु न॥ ४॥ देवहृत्कसुनृपःनिगुचजिनग्यत्रिःकनिक
पालकं नाथं नमस्तु॥ ५॥ खेत्वांगया मस्तुकासुः ननरु निविग्यमानाःतुकि
मूक्तिप्रदानया नमस्तु न॥ ६॥ मुकुमालाघनादविःपंचमूडावित्तविनाःहा
जहननहविर्तनापूत्रानमस्तु॥ ७॥ वामहजकपात्रसुःदक्रिनेहकहिकाःकात्रम
विधनादविः नमस्तु॥ ८॥ उकवकासमात्रुधःदित्तजातुर्थमंदलःपादांमुष्टुहि
नादविनमस्तु॥ ९॥ सुर्थमंलमथस्तुःकिनिठामूकाशात्रकःउलाकमानि
दविनमस्तु॥ १०॥ सर्वपापहनादविःसर्वपापविनास्तुनिःधनमाक्रेप्रदानथा

नमस्तु ॥ १॥ सर्वमकुपुमदनिःपुन्यक्रुददिनानिर्गः ॥ असापूतप्रमादकः न
मास्तु वज्जोगिनि ॥ १२ ॥ ॥ ॥ संसृष्टं ह ॥ तस्मिन् योषमास्यः कश्चिप
कः वस्तुमिषीति ॥ हस्तानक ननः ॥ मुद्रमानजायजथकर्मसूद्रनकः शामवान
हनः मद्रनासिगमसुविननः केन्यानासिगनचद्रमसि ॥ ॥ थक्रद्रुसंपूर्णायः
धूनमुद्रिनक्रन ॥ ॥ निषिनयनदससः कावाहानानः ध्वंवाहानयावजी
वार्यग्रीहनवमूर्निःवायाक्रनः ॥ ॥